mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-85 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

29 मार्च 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

आईपीएल के बाद...

@ पेज 7

भारत के हाथ लगा देसी ब्रह्मास्त्र, सेना को मिलेंगे 156 प्रचंड हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 156 मेड इन इंडिया एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए अब तक के सबसे बड़े रक्षा सौदे को मंजूरी दे दी है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की आज हुई बैठक में यह फैसला लिया

● सरकार ने सबसे बड़े रक्षा सौदे को दी मंजूरी

गया। रक्षा मंत्रालय ने इस वित्तीय वर्ष में 2.09 लाख करोड़ रुपये से अधिक के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के लिए अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर होगा। हेलीकॉप्टर कर्नाटक के बेंगलुरु

और तुमकुर स्थित उनके प्लांट्स में बनाए जाएंगे। बता दें कि भारत ने अपनी सैन्य शक्ति को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दरअसल, यह सौदा आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने और थल व वायुसेना की ताकत बढ़ाने की दिशा में अहम साबित होगा।

ऊंचाई पर तैनाती में सक्षम है 'प्रचंड' : प्रचंड दुनिया का एकमात्र अटैक हेलीकॉप्टर है, जो 16,400 फीट (5,000 मीटर) की ऊंचाई पर भी उड़ सकता है। प्रचंड को मुख्य रूप से सियाचिन, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात करने के लिए यह आदर्श है। हवा से जमीन और हवा से हवा में हमला करने में सक्षम, मिसाइलों से लैस, दुश्मन की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर सकता है। प्रचंड कई तरह की एयर-टू-ग्राउंड और एयर-टू-एयर मिसाइल दागने में सक्षम है और दुश्मन की एयर डिफेंस प्रणाली को नष्ट कर सकता है। सेना में प्रचंड हेलिकॉप्टरों के शामिल होने से भारतीय वायुसेना के हमले वाले हेलिकॉप्टर बेड़े में विविधता आएगी। इस हेलीकॉप्टर का निर्माण मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी मजबूती: बता दें कि सरकार ने 'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए यह सौदा किया है। 83 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट का सबसे बड़ा ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है। 97 और एलसीए ऑर्डर करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 307 एटीएजीएस हॉवित्जर तोपों की खरीद को भी हाल ही में कैबिनेट से मंजूरी मिली है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के साथ रिश्ते मजबूत करने के लिए चीन उठाने जा रहा कदम

बीजिंग/ढाका (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को विनिर्माण उद्यमों को बांग्लादेश में स्थानांतरण के माध्यम से आर्थिक संबंधों का विस्तार करने तथा अपने उत्पादों को शुल्क मुक्त पहुंच की अनुमति देते हुए वहां (बांग्लादेश) की अंतरिम सरकार को चीन के समर्थन का आश्वासन दिया। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने शुक्रवार को बीजिंग के

'ग्रेट हॉल' में शी और यूनुस के बीच द्विपक्षीय बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए ये टिप्पणियां कीं। बैठक के दौरान शी ने कहा कि चीन बांग्लादेश द्वारा उठाए गए कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगा। चीन की चार दिवसीय यात्रा पर आए यूनुस ने बुधवार को हैनान पहुंचने के बाद देश के 'बोआओ फोरम फॉर एशिया' वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। वह बृहस्पतिवार को बीजिंग पहुंचे और चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। आलम ने बताया कि शी ने आश्वासन दिया है कि उनका देश चीनी निवेश और चीनी विनिर्माण उद्यमों को बांग्लादेश में स्थानांतरित करने को प्रोत्साहित करेगा। आलम ने संवाददाताओं से कहा, ''यह एक बहुत बड़ी सफल द्विपक्षीय बैठक थी।'' उन्होंने बताया कि दोनों की बैठक व्यापक, सार्थक और रचनात्मक थी।

नेपाल में सड़कों पर उतरी आर्मी, सरकार ने बुलाई आपात बैठक

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर प्रदर्शन शुक्रवार को हिंसक हो गया। काठमांडू में कई जगह आगजनी हुई। बवाल इतना बढ़ गया कि सड़कों पर सेना को उतरना पड़ा। वहीं कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। कई जगह प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़प हुई। सुरक्षा बलों द्वारा लगाए गए अवरोधक को तोड़ने की कोशिश कर रहे राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। बवाल इतना बढ़ा कि कई लाकों में कर्फ्यू लगाना पड़ा। राजशाही का समर्थक संगठनों की कॉल पर राजा लाओ देश बचाओ आंदोलन में 40 से ज्यादा संगठनों के हजारों कार्यकर्ता काठमांडू पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए जब पुलिस पहुंची तो

हिंसक झड़प हो गई जिसके बाद आगजनी और तोड़फोड़ की गई। हालात को बिगड़ता देखकर नेपाल सरकार ने आपात बैठक बुलाई है। नेपाल में राजशाही को वापस लाने की मांग जोर पकड़ने पर हाल ही में प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली का बयान भी सामने आया था। 16 मार्च को उन्होंने राजशाही समर्थक समूहों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकतंत्र एक 'राजमार्ग' की तरह है, जिसमें कोई 'रिवर्स गियर' नहीं होता, केवल कभी-कभार तीखे मोड़ के कारण क्षणिक रूप से गति धीमी करनी पड़ती है। उन्होंने इसके साथ ही आगे बढ़ने पर जोर दिया। मार्च के पहले हफ्ते में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के सैकड़ों समर्थकों ने राजधानी में उनके स्वागत में रैली निकाली थी। ज्ञानेंद्र (77) पिछले जैसे ही देश के विभिन्न भागों में धार्मिक स्थलों का दर्शन कर पोखरा से काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, समर्थकों ने उनके पक्ष में नारे लगाने शुरू कर दिए। इस रैली का उद्देश्य नेपाल में राजशाही की पुनः स्थापना के प्रति समर्थन प्रदर्शित करना था।

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को मिली गिरफ्तारी से बड़ी राहत

चेन्नई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर विवादित कॉमेडी कर मुश्किलों में घिरे स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को मद्रास हाइकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने कुणाल कामरा को 7 अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने अपने ऑर्डर में कहा है कि याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा है कि वे महाराष्ट्र की अदालत में अप्रोच नहीं कर सकते क्योंकि उनकी जान को खतरा है। कॉमेडियन ने हाई कोर्ट में कहा कि वह 2021 में मुंबई से तमिलनाडु चले आए थे और तब से सामान्य रूप से इसी राज्य के निवासी हैं

और उन्हें मुंबई पुलिस से गिरफ्तारी का डर है। कामरा की दलीलों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से राहत दे दी। बता दे मुंबई की खार पुलिस ने कुणाल कामरा को 31 मार्च को समन भेज पूछताछ के लिए हाजिर होने के लिए कहा था। पुलिस का यह दूसरा समन है। कामरा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर विवादित कॉमेडी को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर खार पुलिस ने कामरा पर उपमुख्यमंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज किया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दूसरे समन में कुणाल कामरा को 31 मार्च को पुलिस के सामने पेश होने को कहा गया है। पुलिस ने कामरा के शो को फिल्माए जाने वाले स्टूडियो और जिस होटल में यह शो स्थित है, उसमें तोड़फोड़ करने के आरोप में नेता राहुल कनाल सहित 12 शिवसैनिकों को भी गिरफ्तार किया था। उन्हें हिरासत में लिए जाने के कुछ घंटों बाद ही जमानत दे दी गई थी।

मायापुरी थाने में फायरिंग के एक मामले में है आरोपी

दिल्ली पुलिस और वांटेड बदमाश के बीच हुई मुठभेड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। , बीती रात दिल्ली पुलिस के पश्चिमी जिले के स्पेशल स्टाफ की देर रात एक वाटेंड बदमाश से मुठभेड़ हुई है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद वाटेंड बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश को पैर में गोली लगी है जबकि एनकाउंटर के दौरान पुलिसकर्मी को भी बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी। गनीमत रही कि उसकी जान बच गई। जानकारी दें दि कि गुरुवार और शुक्रवार की रात पुलिस टीम ने एक ठिकाने पर छापा मारा था, जिस दौरान यह मुठभेड़ हुई।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक बदमाश आकाश झा को 2024 में मायापुरी थाने में फायरिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और नवंबर 2024 में वह जेल से बाहर आया था। हाल ही में ऐसी शिकायतें मिली थीं कि वह इलाके में घूम रहा है और फिर से एक्सटॉर्शन मांगने की कोशिश कर रहा है, हालांकि कोई भी औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के लिए

आगे नहीं आया।

पुलिस टीम को इंदिरा कैंप नंबर-5, विकासपुरी में उसके ठिकाने का पता लगाया। जब टीम ने देर रात करीब 1ः30 बजे परिसर पर छापा मारा, तो उसने पुलिस पार्टी पर गोली चला दी और वह बुलेट प्रूफ जैकेट पहने एक पुलिसकर्मी को लगी। इसके बाद पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में गोली चलाई, जो हमलावर के बाएं पैर में घुटने के ठीक नीचे लगी। जिससे बदमाश गिर गया और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद उसे तुरंत डीडीयू अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसके खिलाफ थाना विकासपुरी में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आकाश झा उर्फ मोनू लूट, फायरिंग और हमला पहुंचाने के कई मामलों में शामिल रहा है। वह कथित तौर पर गौतमबुद्ध नगर (यूपी) के पुलिस स्टेशन के गुंडा एक्ट के एक मामले में भी वांछित है।

गाजीपुर में रील बनाते समय हुई मौत

धार (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रील बनाने के चक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक ई-रिक्शा की छत पर खड़ा होकर रील बना रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया। सिर पर चोट लगने से उसकी मौत हो

गई। घटना 27 मार्च की है। सदर कोतवाली क्षेत्र के स्टेशन चौराहे पर एक व्यक्ति ई-रिक्शा की छत पर चढ़कर डांस और स्टंट कर रहा था, तभी ई-रिक्शा आगे बढ़ गया और छत पर ठुमका लगा रहे शख्स का संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ई-रिक्शा से गिरने के बाद आनन फानन में लोग उसे गाजीपुर मेडिकल कॉलेज के जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान चंद्रशेखर रावत के रूप में हुई है, जो गाजीपुर के मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम हाउस में आउटसोर्सिंग कर्मचारी था और चिकित्सकों के कार्य में सहयोग करता था।

जस्टिस यशवंत वर्मा के ट्रांसफर को मिली केंद्र की मंजूरी

दिल्ली से इलाहाबाद हाईकोर्ट हुआ तबादला, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का दिल्ली से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर आदेश को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल गई है। सरकार की ओर इस ट्रांसफर की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर नकदी मिलने से जुड़े विवाद के बीच उनका ट्रांसफर किया गया है विधि मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर उनके ट्रांसफर का ऐलान किया। सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम ने इस सप्ताह की शुरुआत में जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर करने की सिफारिश करते हुए कहा था कि यह कदम होली की रात उक्त जज के आधिकारिक आवास में आग और कथित तौर पर नकदी मिलने के मामले में आंतरिक जांच के आदेश से अलग है।

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की सिफारिश पर जस्टिस यशवंत वर्मा के ट्रांसफर को केंद्र सरकार ने मंजूरी दी है। अब वे इलाहाबाद हाईकोर्ट में जज के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। बता दें कि दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर कैश मिलने की घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने 22 मार्च को जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ तीन सदस्यीय आंतरिक जांच शुरू की थी। दरअसल, 14 मार्च को

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में आग लग गई थी। आग बुझाने के दौरान वहां नोटों की गड्डियां जलती हुई देखी गई थीं। आग की चपेट में आने से काफी नेट जल गए थे। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है और जांच जारी है। वहीं दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एक व्यक्ति के उस दावे पर स्वतः संज्ञान लेकर निर्देश पारित करने से इनकार कर दिया जिसमें उसने कहा कि एक जज के खिलाफ जांच के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष को भेजी गई उसकी शिकायत पर विचार नहीं किया गया है। जज का नाम लिए बिना वादी ने कहा, ''मैं नहीं चाहता कि एक व्यक्ति के कारण सैकड़ों न्यायाधीशों की छवि खराब हो।'' इस पर, मुख्य न्यायाधीश डी.के.उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, ''कोई भी ऐसा नहीं चाहता।''

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस दर्ज एफआईआर को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भड़काऊ गीत वाला एक संपादित वीडियो साझा करने के आरोप में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ गुजरात पुलिस द्वारा दर्ज की गई स्नढ्ढक्र को शुक्रवार को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का अभिन्न अंग है। विचारों की अभिव्यक्ति की वकालत करते हुए कोर्ट ने कहा कि मौखिक या लिखित शब्दों के प्रभाव का आकलन उन लोगों के मानकों के आधार पर नहीं किया जा सकता, जिनमें हमेशा असुरक्षा की भावना रहती है या जो आलोचना को अपनी शक्ति या पद के लिए हमेशा खतरा मानते हैं।

जज अभय एस ओका और जज उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना अदालत का कर्तव्य है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौखिक या लिखित शब्दों को लेकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 के तहत अपराध के संबंध में फैसला किसी तर्कसंगत एवं मजबूत दिमाग वाले दृढ़ एवं साहसी व्यक्ति के मानकों के आधार पर करना होगा, न कि कमजोर एवं अस्थिर दिमाग वाले लोगों के मानकों के आधार पर। कोर्ट ने कहा, 'व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूहों द्वारा विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति स्वस्थ और सभ्य समाज का अभिन्न अंग है। विचारों और दृष्टिकोणों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बिना वह सम्मानजनक जीवन जीना असंभव है, जिसकी गारंटी संविधान के अनुच्छेद 21 में दी गई है।' पीठ ने कहा, 'किसी स्वस्थ लोकतंत्र में विचारों, सोच और मतों का विरोध किसी अन्य दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए। भले ही बड़ी संख्या में लोग किसी के व्यक्त विचारों को नापसंद करते हों, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए। कविता, नाटक, फिल्म, व्यंग्य और कला सहित साहित्य मानव जीवन को अधिक सार्थक बनाते हैं।'

आतिशी को 'भाई' कहने पर प्रवेश वर्मा पर भड़की 'आप'

सत्तारूढ़ भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच 13 मिनट तक तीखी नोकझोंक

बेंगलुरु (एजेंसी)। अदिल्ली विधानसभा में गुरुवार को 'भाई' शब्द के कारण सत्तारूढ़ भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच 13 मिनट तक तीखी नोकझोंक हुई जिससे सदन में व्यवधान उत्पन्न हो गया। आप इस बात पर अड़ी रही कि इस शब्द का इस्तेमाल संभवतः नेता प्रतिपक्ष आतिशी के प्रति अनादर की भावना से किया गया था, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने विपक्षी नेताओं से पूछा, ''मैंने क्या कहा? 'भाई' कहना गलत कैसे है?'' विधानसभा में हंगामे के बीच अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आप के तीन विधायकों को सदन से बाहर कर दिया। उन्होंने आप के कुलदीप कुमार और विशेष रवि को मार्शल के जरिए से सदन से बाहर निकलवाया।

गामा उस समय शुरू हुआ जब वर्मा प्रश्नकाल के दौरान तीर्थ यात्रा समिति से

संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। आप पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने तीर्थ यात्रा समिति के लिए 2024-25 के लिए 80 करोड़ रुपये मंजूर किए, लेकिन कुछ भी खर्च नहीं किया। विपक्षी आप विधायकों ने इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी भी वर्मा के आरोप का जवाब देने के लिए खड़ी हुई। जैसे ही मंत्री ने अपना जवाब फिर से शुरू करने की कोशिश की, आतिशी और आप के अन्य विधायकों ने अपना जोरदार विरोध जारी रखा।

अपना भाषण फिर से शुरू करने में कई बार असफल रहने पर प्रवेश वर्मा ने कहा, 'कहां से लाए हो भाई?'' आतिशी ने फिर से विरोध जताया और कहा कि वर्मा द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा 'असंसदीय' है। आप के अन्य विधायकों ने भी उनका साथ दिया और मंत्री पर अनादर करने का आरोप लगाया। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा, ''मैंने सिर्फ 'भाई' कहा। इसमें असंसदीय क्या है?''

विधानसभा अध्यक्ष ने आप सदस्यों से पूछा कि अगर वर्मा ने सिर्फ 'भाई' कहा है तो इसमें आपत्तिजनक शब्द क्या है, ये आपत्तिजनक शब्द नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं इस मुद्दे को नहीं समझ पा रहा हूं।'' जब विपक्षी विधायकों ने टिप्पणी का विरोध जारी रखा तो गुप्ता ने आप नेताओं विशेष रवि और कुलदीप कुमार को बाहर निकालने का आदेश दिया।

गर्भवती पत्नी ठेले पर छटपटाती रही, पति अस्पताल की तरफ ढकेलता रहा

रतलाम (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रतलाम में मानवता को शर्मसार करने वाली और अस्पताल की हकीकत बयां करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महीला ने ठेले पर ही बच्चे को जन्म दिया, लेकिन डिलिवरी पूरी नहीं हो पाई। इस वजह से बच्चे की मौत हो गई। अहम बात यह है कि महिला का पति डिलिवरी से पहले दो

बार उसे अस्पताल लेकर पहुंचा था। दोनों बार अस्पताल की तरफ से उसे लौटा दिया गया। जब रात में एक बजे महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो पति ठेले पर लेकर उसे भागा, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले डिलिवरी हो गई और डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। महिला को ठेले पर ले जाते हुए सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस वीडियो में पति ठेले को तेजी से दौड़ाता नजर आ रहा है, जबकि महिला बेसुध सी पड़ी हुई है। घटना 23 मार्च की है। सैलाना के कालिका माता मंदिर रोड निवासी कृष्णा ग्वाला अपनी पत्नी नीतू को सुबह 9 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गया था।

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने महर्षि पतंजलि संस्थान के कैलेण्डर का किया विमोचन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को मंत्रालय में महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान मध्यप्रदेश द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन किया। कैलेण्डर में इस वर्ष की थीम भारतीय कालगणना को रखा गया है। इसके अंतर्गत माहवार काल की अवधारणा, कालमायन की इकाइयाँ. हिन्दी तिथियों का वैज्ञानिक आधार, सप्ताह, माह और वर्ष की अवधारणा, देवताओं व असुरों के दिन-रात, युग, ब्रह्मा की आयु, संवत्सर, पञ्चाङ्ग तथा संकल्प मन्त्र को स्थान दिया गया है। यह जानकारी भारतीय कालगणना की समझ के लिये अत्यंत उपयोगी रहेगी। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के निदेशक श्री प्रभात राज तिवारी ने बताया कि अभी हमारे जितने केलेण्डर हैं, विक्रम संवत, ईसवी संवत, हिजरी संवत, कोई भी 2500 साल से पुराना नहीं है परंतु हमारा प्राचीन केलेण्डर भारतीय सभ्यता के अनुसार लाखों वर्ष पुराना है। उदाहरण के रूप में कलयुग के 5 हजार 125 वर्ष गुजर चुके हैं। इसके पूर्व सतयुग, द्वापर एवं त्रेता युग भी संपन्न हो चुके हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि भारतीय सभ्यता अत्यंत प्राचीन है। तथा दुनिया में इसका कोई भी समरूप नहीं है। इस कैलेण्डर में राज्य शासन के द्वारा घोषित समस्त शासकीय अवकाश एवं ऐच्छिक अवकाश को भी दर्शाया गया है, जिससे यह केलेण्डर बहुत उपयोगी बन गया है। इस केलेण्डर में तिथियों का परिवर्तन का समय भी दर्शाया गया है, जिससे कोई भी व्यक्ति यह निर्णय कर सकता है कि कौन सा त्यौहार कब से कब तक रहेगा। कैलेण्डर संबंधी विस्तृत जानकारी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उप मुख्यमंत्री ने श्रीमनकामेश्वर महादेव मंदिर के पुनरूद्धार कार्य का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कोठी कम्पाउण्ड रीवा स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर के पुनरूद्धार कार्य का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के लिये कहा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा में लक्ष्मणबाग परिक्रमापथ का भ्रमण किया। उन्होंने लक्ष्मणबाग गौशाला में गौमाताओं को गुड़ खिलाकर आशिर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी तथा गणमान्य जन उपस्थित रहे।

स्कूलों में निश्शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में इस वर्ष शालाओं में शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल 2025 से प्रारंभ किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही %स्कूल चलें हम अभियान% की शुरूआत होगी। पाठ्यपुस्तक निगम ने इस वर्ष सत्र शुरू होते ही शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकों की वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंत्रालय में बुधवार को हुई पाठ्यपुस्तक निगम की बैठक में दी गई। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि निगम का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को शिक्षण सत्र शुरू होते ही अप्रैल माह में निशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हो जायें। कक्षा एक से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिये करीब 5 करोड़ 60 लाख पुस्तकें, एक करोड़ 2 लाख फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमरेसी (एफएलएन) अभ्यास पुस्तिकाएं और करीब 26 लाख ब्रिज कोर्स की पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। बैठक में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग के मैदानी अमले को बच्चों के बीच में पाठ्य पुस्तकों के वितरण की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है।

विश्वगुरु भारत की संकल्पना सिद्धि के लिए, विचार क्रान्ति को कर्म क्रान्ति में परिवर्तित करना होगा : मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरे देश का संकल्प है। भारत को विश्वमंच पर पुनः सिरमौर बनाने के लिए, विचार क्रान्ति को कर्म क्रान्ति में परिवर्तित करने की आवश्यकता है! इसके लिए हम सभी अपने परिश्रम और पुरुषार्थ का योगदान देना होगा। भारत की गौरवशाली सभ्यता, विरासत, ज्ञान परम्परा एवं भाषाओं से प्रेरणा लेकर हम सभी को राष्ट्र के पुनर्निर्माण में सहभागिता करनी होगी।

यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने गुरुवार को विधानसभा भवन स्थित मानसरोवर सभागृह में, राष्ट्रीय सेवा योजना और नेहरू युवा केंद्र संगठन के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राज्यस्तरीय विकसित भारत युवा संसद-2025 के समापन समारोह में सहभागिता कर कही। मंत्री श्री परमार ने राष्ट्रीय विकसित भारत युवा संसद-2025 के लिए चयनित ओजस्वी वक्ता विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर, उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री परमार ने चयनित तीनों वक्ता बेटियों को राष्ट्रीय स्तर पर ओजस्वी वक्तव्य देने के लिए

प्रेरित भी किया। मंत्री श्री परमार ने समस्त प्रतिभागी विद्यार्थियों का मनोबलवर्धन भी किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा के आधार पर विश्वमंच पर सिरमौर था। भारत के पुरातन ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण के साथ, प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए हमें हमारे पूर्वजों की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, उनके बनाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। श्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, जल स्त्रोतों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्त्रोतों के संरक्षण के भाव से, शोध एवं अनुसंधान के आधार पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समाज में परम्परा के रूप में स्थापित की। कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी संस्कृति और सभ्यता है। हमारे पूर्वज सूर्य उपासक थे, प्राकृतिक ऊर्जा स्त्रोतों की उपयोगिता और महत्व को जानते थे। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत, सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों की पूर्ति करने में समर्थ देश बनेगा। वर्ष 2047 तक खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों का भरण पोषण करने में भी सामर्थ्यवान देश बनेगा। हम सभी की सहभागिता से, अपने पूर्वजों के ज्ञान के आधार पर पुनः विश्वमंच पर सिरमौर राष्ट्र का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए हमें स्वाभिमान के साथ हर क्षेत्र में अपने परिश्रम और तप से आगे बढ़कर, विश्वमंच पर अपनी मातृभूमि का परचम लहराना होगा। अपनी गौरवशाली सभ्यता, भाषा, इतिहास और ज्ञान के आधार पर, हम सभी की सहभागिता से भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें हीन भावना से मुक्त होकर स्वाभिमान को जागृत करने का अवसर दिया है।

राज्य निर्वाचन आयोग में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम संबंधी प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य निर्वाचन आयोग में गुरूवार को इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम के संबंध में जिलों के मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया। सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने कहा कि मतदान के लिये अभी व्यापक तैयारियां करनी पड़ती है। हफ्ते भर पहले से मतदान दल तैयारी में लग जाता है।

इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से मतदान कराने पर इन परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी। इससे न्यायालयों में लगने वाली याचिकाओं में कमी आयेगी। उन्होंने इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सचिव श्री सिंह इस माध्यम से कराये गए पिछले पंचायत उप चुनाव के अनुभवों को भी साझा किया। सचिव श्री सिंह ने कहा कि अगले आम नगरीय निकाय चुनाव इस प्रक्रिया के माध्यम से कराने का लक्ष्य है। उप श्रीमती संजू कुमारी ने पीपीटी के माध्यम से इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम की कार्य प्रणाली की जानकारी दी। उप सचिव श्री प्रदीप शुक्ला ने मतदान दल के गठन एवं रेण्डमाइजेशन और उप सचिव श्री मुकुल गुप्ता ने सामग्री प्रबंधन के विषय में विस्तार से जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर्स की शंकाओं का भी समाधान किया गया। इस दौरान उप सचिव श्री सुतेश शाक्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पंचायतों को स्वच्छ और स्वावलबी बनाना हमारी पहली प्राथमिकता : मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि पंचायतों को स्वावलंबी बनाना सरकार की प्राथमिकता भी है और जिम्मेदारी भी मंत्री श्री पटेल गुरूवार को नरसिंहपुर के सरदार बल्लभ भाई पटेल सभा कक्ष में जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में वन नेशनल-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को पारित किया गया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, जिला पंचायत सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार और अन्य जिला अधिकारी मौजूद थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य है कि जल स्त्रोतों का संरक्षण, पौधरोपण, जल संरचनाओं की सफ़ाई, तालाबों की डिसिल्टिंग जैसे अन्य कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पंचायतों को स्वच्छ और स्वावलम्बी बनाने के लिये यह प्रयास करना होगा कि हम किसी पर निर्भर नहीं रहें। इसके लिए हमें यह देखना होगा कि पेयजल के स्त्रोत स्वच्छ एवं साफ हो। गांव के गंदे पानी की निकासी पृथक से हो। नाली निर्माण इस तरह हो कि उसका पानी स्वच्छ जल को दूषित नहीं करें। हमें अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में गंभीरता से काम करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिये भूमि चिन्हित कर फ़ेंसिंग की जाये, जिससे कि बारिश के पहले पौधा-रोपण के लिये सोच समझकर पौधों का चयन किया जाये। पौधरोपण के दौरान बड़े ही किया जाये। ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पेयजल संकट के लिए क्या तैयारियां होनी चाहिए। इस बारे में कार्ययोजना बनाकर काम करें।

मल्टीपल बिजली कनेक्शनों का बिल भुगतान अब एक क्लिक पर उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट और शासकीय तथा अशासकीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली बिल का भुगतान करने के लिए समेकित भुगतान तंत्र) विकसित कर नई सुविधा उपलब्ध कराई है। यह प्रणाली मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के उन बिजली उपभोक्ताओं को भुगतान करने में मदद करेगी जैसे कि नगर निगम, मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के उपक्रम, सरकार तथा निजी क्षेत्र के बैंक तथा निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियां, दूरसंचार कंपनियां जिनके विभिन्न क्षेत्रों में टॉवर लगे हुए हैं और ऐसे अन्य उपभोक्ता जिनके मल्टीपल बिजली कनेक्शन हैं, उन्हें यह समेकित भुगतान प्रणाली फायदा पहुँचाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया है कि समेकित भुगतान प्रणाली से मल्टीपल कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को भुगतान करने में सहायता मिलेगी। ऐसे मल्टीपल कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं की संख्या कंपनी कार्यक्षेत्र में ढाई हजार से अधिक है। उन्होंने बताया कि समेकित भुगतान प्रणाली से उपभोक्ताओं को बिल भुगतान करने में एक ओर जहाँ सुविधा मिलेगी वहीं दूसरी ओर उन्हें बिजली बिल का लंबित भुगतान, भुगतान की जानकारी और बिल डाउनलोड करने आदि की सुविधा समेकित भुगतान प्रणाली में एक ही स्थान पर मिलेगी। इससे एक ओर जहाँ उपभोक्ताओं को कम समय में एक क्लिक पर मल्टीपल बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध होगी वहीं दूसरी ओर एक से अधिक बिल भुगतान करने में लगने वाले समय की बचत होगी और कंपनी को भी सही समय पर राजस्व मिलेगा। कंपनी ने बताया है कि यह समेकित भुगतान प्रणाली अत्यंत उपयोगी और सरल बनाई गई है जिसमें उपभोक्ता द्वारा कंपनी के रिकार्ड में रजिस्टर्ड अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर लॉगिन की सुविधा मिलेगी।

समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ भवन का निर्माण सुनिश्चित किया जाये -मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने गुरुवार को भोपाल में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर इंदौर में निर्माणाधीन जिला न्यायालय भवन की प्रगति की समीक्षा की और समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के लिये सभी संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख अभियंता भवन श्री एस.आर. बघेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इंदौर जिला न्यायालय भवन का निर्माण हमारे लिए उच्च प्राथमिकता पर है। उन्होंने निर्देश दिए कि तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ भवन का निर्माण सुनिश्चित करने के लिए रोज़ तीन शिफ्टों में कार्य किया जाएगा। इसकी सीसीटीवी कैमरों से सतत निगरानी की जाएगी। प्रमुख अभियंता (भवन) मासिक आधार पर एवं इंदौर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता साप्ताहिक आधार पर प्रगति की समीक्षा करेंगे। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि इस परियोजना के लिए नियुक्त एसडीओ और सब-इंजीनियर पूर्णकालिक रूप से केवल इसी परियोजना पर कार्य करेंगे।

नवाचार के तहत इंदौर में उपभोक्ताओं के लिये राशन भी पोषण भी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इंदौर जिले में उपभोक्ताओं के हित में और उचित मूल्य दुकानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा नवाचार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों की सूरत और सीरत बदलने लगी है। अब शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उपभोक्ताओं को राशन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और अन्य पोषण सामग्रियाँ भी उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की गई हैं। इन दुकानों से जैविक उत्पाद भी उपलब्ध कराये जाने के लिए आज उचित मूल्य दुकान आदर्श महिला प्राथमिक उपभोक्ता भंडार बाणगंगा इंदौर पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित कर जनपोषण केन्द्र का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस से केन्द्रीय संयुक्त सचिव खाद्य विभाग श्री रविशंकर, ज्वाईंट डायरेक्टर एनएफएसए भारत सरकार श्री जय पाटील, आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा वर्चुअली सम्मिलित हुए। कंसल्टेंट श्री अभिषेक कुमार,श्री चंद्रपाल यादव , मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन, जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारु, पायलट प्रोजेक्ट के 30 दुकानों के डीलर, स्थानीय पार्षद श्रीमती संध्या जायसवाल, हितग्राही उपभोक्ता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। केन्द्रीय संयुक्त सचिव श्री रविशंकर ने जनपोषण केन्द्र के पायलट प्रोजेक्ट के बारे में डीलर को आवश्यक मार्गदर्शन दिए। उन्होंने उपभोक्ताओं को पोषण संबंधी गुणवत्तायुक्त सामग्री उपलब्ध कराने तथा उचित मूल्य दुकान को आर्थिक रूप से सुदृढ एवं बहुउददेशीय बनाने के महत्व को विस्तार से बताया। आयुक्त खाद्य द्वारा भारत सरकार के पायलट प्रोजेक्ट को बेहतर तरीके से क्रियान्वयन करने तथा उपभोक्ताओं को पोषण संबंधित जरूरते इन केन्द्रों के माध्यम से पूरी हो सके, इसके लिए डीलर और खाद्य विभाग की टीम को मार्गदर्शन दिया गया। बताया गया कि सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की यह एक अभिनव पहल है। इसका उद्देश्य लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मुहैया कराना है। जन पोषण केन्द्र के शुभारंभ उपरांत लगभग 50 से ज्यादा उपभोक्ताओं ने मोटा अनाज,दाले,दूध ,दही, घी, मसाले आदि क्रय किए। स्थानीय उपभोक्ताओं ने उचित मूल्य दुकान पर उक्त सामग्री की उपलब्धता पर प्रसन्नता जाहिर की । उन्होंने कहा कि राशन के साथ अब अन्य सामग्री भी क्रय करने अन्यत्र नहीं जाना पडेगा। उचित मूल्य की दुकानों पर जन पोषण केन्द्र शुरू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को तो लाभ होगा ही, इसके साथ ही राशन डीलरों की आय में भी वृद्धि होगी और लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मिलेंगे। जन पोषण केंद्रों में पोषण से जुड़े उत्पादों का भंडारण होगा। इन केंद्रों में राशन डीलरों को आय का एक और जरिया मिल सकेगा। इन केंद्रों के लिए राशन डीलरों को आसान लोन की सुविधा भी मिलेगी। इन केंद्रों में डिजिटल टूल्स और सहायता प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मिला ए ग्रेड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने प्रदेश के उज्जैन स्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा ग्रेड प्रत्ययित होने की महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि मिलने पर उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के यशस्वी नेतृत्व में राज्य सरकार, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारमूलक उच्च शिक्षा

प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सतत् नवीन आयाम स्थापित हो रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं प्रगति के साथ, शैक्षणिक एवं अकादमिक स्तर पर उत्तरोत्तर गुणवत्ता वृद्धि हो रही है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा निर्धारित मानकों पर खरा उतरकर, सर्वोत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित करना प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। श्री परमार ने कहा कि नैक द्वारा प्रत्ययन से वंचित प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय भी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मानकों पर खरा उतरने के लिए प्रयास करें।

ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम ने उज्जैन स्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम गुणवत्ता, शिक्षण-प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन, शोध, नवाचार, आधारभूत ढांचा एवं संसाधन, विद्यार्थी सहयोग एवं प्रगति, गवर्नेंस एवं लीडरशिप मैनेजमेंट सहित विविध मानकों के आधार पर परखा था।

पराली न जलाएं किसान, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड चलाएगा जागरूकता अभियान-प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में पराली जलाने से उत्पन्न वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया है। बोर्ड के निदेशक मण्डल की 169वीं बैठक गुरवार को आयोजित की गई। बैठक में धान एवं गेहूं की कटाई के पश्चात जलने वाली पराली से होने वाले प्रदूषण पर गहन चर्चा हुई और इसके समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। निदेशक मण्डल की बैठक की अध्यक्षता विभाग के प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष, डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने की।

प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने निर्देश दिये है कि प्रदेश में किसान पराली न जलाएं इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रमुख सचिव ने बताया कि इसके लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के लिए 8 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने पराली के वैकल्पिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में स्थापित ताप विद्युत गृहों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अप्रैल के प्रथम सप्ताह में बैठक आयोजित करने का निर्देश दिये है। बैठक में कटाई के बाद बचे बायोमास के वैकल्पिक उपयोग पर कार्ययोजना तैयार किये जाना का निर्णय लिया गया। डॉ. कोठारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में निदेशक मण्डल ने निर्णय लिया है कि वायु गुणवत्ता और अन्य प्रदूषकों की सतत निगरानी के लिए 4 सुसज्जित मोबाइल मॉनिटरिंग वैन स्थापित की जाएगीं।

साथ ही, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 100 और उससे अधिक तक की चिंताजनक स्थिति में जिन शहरों में पहुंच गई है, वहां 39 नए वायु एवं ध्वनि गुणवत्ता के सतत मापन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान एक से 4 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरूआत एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान के रूप में की जायेगी। अभियान के दौरान प्रदेश में एक से 4 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। अभियान के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की जा रही है।

प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे।

हजारों कार्यकर्ताओं ने किया कांग्रेस नेताओं का स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सीधी में विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने शुक्रवार को शक्ति प्रदर्शन किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का सीधी पहुंचने पर स्वागत हुआ। मोहानिया टनल से बहरी तक कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के साथ नेताओं का स्वागत किया। हरीश चौधरी ने कहा कि विंध्य की धरती से परिवर्तन की लहर उठेगी। कार्यकर्ताओं से चुनाव में एकजुट होकर काम करना होगा।

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस गरीबों और किसानों के हक की लड़ाई लड़ रही है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया ने कहा कि भाजपा की नीतियों से जनता नाराज है।

पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल और प्रदेश सह प्रभारी रणविजय सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। रणविजय सिंह ने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर भाजपा की नाकामियां बताने को कहा। जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि सीधी का कांग्रेस संगठन जनता के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ेगा।

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सिंगरौली में जन आक्रोश आंदोलन में शामिल हुए। पटवारी ने कार्यकर्ताओं के साथ रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर सभा की। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर चंद्र शेखर शुक्ला को मांग पत्र सौंपा गया।

कार्यक्रम के दौरान पटवारी ने कहा- केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पटवारी ने कहा- मोदी सरकार पूरी तरह से पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के साथ है। प्रदेश की मोहन यादव सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा जनता ने अपना मुख्यमंत्री तो चुना है। लेकिन जनहित के फैसले मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि देश के पूंजीपति कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने नए भू अधिग्रहण कानून पर भी सवाल खड़े किए। सिंगरौली की समस्याओं को लेकर पटवारी ने सीधी-सिंगरौली हाईवे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- गृह मंत्री अमित शाह दावा करते हैं कि भारत में अमेरिका से बेहतर सड़कें बन रही हैं। लेकिन क्या सिंगरौली भारत का हिस्सा नहीं है, जहां आज तक सड़क नहीं बन पाई। कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री कमलेश्वर पटेल समेत 200 से अधिक कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ई आफिस व्यवस्था 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से लागू करें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान ऑनलाइन में विभिन्न जिलों के आवेदकों की समस्याएं सुनी। रीवा जिले के आवेदक की प्राकृतिक दुर्घटना में भैंस के मरने पर राहत राशि के प्रकरण की सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को समय पर राहत राशि दें। इसमें देरी करने वाले पर कड़ी कार्यवाही करें। लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार को निलंबित करें। राहत राशि के प्रकरण एक माह में निराकृत करें। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि आवेदक को पशु हानि की राहत राशि का भुगतान कर दिया गया है। प्रकरण देर से प्रस्तुत करने वाले नायब नाजिर को निलंबित कर दिया गया है। मऊगंज जिले के आवेदक सुनील साहू ने बताया कि उनकी बस्ती में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से डेढ़ वर्ष से पानी नहीं आ रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल बहुत गंभीर समस्या है। पेयजल से जुड़ी हर कठिनाई को दूर करके आमजनता को पेयजल उपलब्ध कराएं। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने बताया कि पाइपलाइन में सुधार करा दिया गया है। प्रकरण में लापरवाही बरतने पर प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी मऊगंज महेश पटेल को निलंबित कर दिया गया है। इसी प्रकरण में लापरवाही बरतने पर उपयंत्री राजेश प्रताप सिंह को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त निर्माण करने वाली एजेंसी के विरूद्ध भी कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में सिंगरौली जिले में आवेदिका के छात्रवृत्ति प्रकरण की सुनवाई करते हुए समय पर छात्रवृत्ति भुगतान के निर्देश दिए। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि छात्रवृत्ति के पोर्टल में अनुसूचित जनजाति की छात्रा की जानकारी में सामान्य वर्ग दर्ज कर दिया गया था। इस गलती के सुधार के लिए प्राचार्य तथा संकुल प्राचार्य द्वारा आदिम जाति कल्याण विभाग को लगातार पत्र लिखे गए। पोर्टल बंद होने के कारण इसमें सुधार संभव नहीं हो सका। पोर्टल खुलने पर गलती में सुधार करके तीन वर्ष की छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में सिवनी, सीहोर, विदिशा, ग्वालियर, छतरपुर, खण्डवा, छिंदवाड़ा, दतिया तथा गुना जिले के आवेदकों के प्रकरणों की भी सुनवाई की।

सांसद ने प्रधानमंत्री से भेंट कर क्षेत्र के विकास के संबंध में की चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट कर क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री को संजय टाईगर रिजर्व दुबरी के बाघों का छायाचित्र व विंध्य लोक कला की प्रतीक ढोलक (मादल) भेंट किया। इस दौरान उनके परिवार जन भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को दिया गया ई-ऑफिस का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में अधिकारियों को ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने कहा कि राज्य शासन द्वारा कार्यालयों में कार्य प्रक्रिया में तेजी लाने एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली लागू करने एवं इसे अमल में लाने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। सभी विभाग निर्देशानुसार सभी कार्यवाहियां समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। सभी कार्यालयों में माह अप्रैल से ई-ऑफिस में कार्यवाही की शुरुआत की जाए। कलेक्टर ने समस्त कार्यालय प्रमुखों के निर्देशित किया कि वे ई-ऑफिस कार्य प्रणाली को लागू करने से संबंधित कार्यवाहियाँ जैसे शासकीय कर्मचारियों व अधिकारियों के व्यक्तिगत शासकीय ई-मेल आई.डी का निर्माण, मास्टर डेटाबेस तैयार करने के पश्चात ई-ऑफिस पोर्टल पर ऑन बोर्ड करना एवं कर्मचारियों व अधिकारियों को एनआईसी एवं जिला ई-गवर्नेंस द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने संबंधित कार्यवाहियाँ शीघ्र कर लें। कलेक्टर ने कहा कि उक्त कार्यवाहियां प्राथमिकता से करें जिससे शासन की मंशा अनुरूप ई-ऑफिस कार्य प्रणाली को जिले के कार्यालयों में तय समय-सीमा में लागू किया जा सके। जिला सूचना अधिकारी दशरथ प्रजापति द्वारा विभाग प्रमुखों को ई-ऑफिस कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी तथा संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर द्वारा नगरीय क्षेत्र में प्रगतिरत कार्यों का किया गया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा नगरपालिका सीधी क्षेत्रान्तर्गत शीतलदास तालाब, अमहा तालाब, मुड़ी तालाब, पुराना बस स्टैंड, नवीन बस स्टैंड, नवीन सब्जी मंडी का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री सोमवंशी द्वारा निर्देशित किया गया है कि शीतलदास तालाब, मुड़ी तालाब को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लें। अमहा तालाब अंतर्गत कार्यों को बेहतर तरीके से पूरा करें। नवीन सब्जी मंडी अगले 7 दिनों में शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नवीन बस स्टैंड में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत जो कार्य हुए हैं उनमें आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल, नायब तहसीलदार, उपयंत्री एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उप संचालक ने स्वास्थ्य केंद्रों का भ्रमण कर की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक परिवार कल्याण एवं क्वालिटी इंश्योरेंस डॉ प्रमोद गोयल ने 27 एवं 28 मार्च को जिला सीधी का दौरा किया। उन्होंने निरोगी काया अभियान एवं अन्य स्वास्थ्य गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल, आरोग्यम हटवा, शहरी स्वास्थ्य केंद्र सीधी, संजीवनी क्लीनिक सीधी और जिला स्तरीय अनमोल प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान डॉ प्रमोद गोयल ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और कार्यक्रम के बारे में विस्तृत समीक्षा की। उनके साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक पुष्पेंद्र शुक्ला, जिला कम्युनिटी मोबाइलाइजर नरेंद्र पटेल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से श्रमिकों परिवारों को किये राशि का अंतरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुक्रवार को सिंगल क्लिक के माध्यम से 23 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों को संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण किया गया। इस दौरान मैहर जिले के 413 हितग्राहियों को पात्रता स्वीकृत पत्र वितरण किए गए। जिसमें जनपद मैहर 211, जनपद अमरपाटन 39, जनपद रामनगर 104, नगर पालिका मैहर 27, नगरपालिका रामनगर 31, नगरपालिका अमरपाटन 1 कुल 413 हितग्राही शामिल है। मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष से विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड़, प्रभारी श्रम पदाधिकारी नरेश पटेल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने किया 2 करोड रूपये लागत की सडक निर्माण कार्य का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शुक्रवार को रैगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पाकर से पिपरी ग्राम तक 298.82 लाख रूपये की लागत से बनने वाली 4 किमी लम्बाई की डामरीकृत सडक निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीण जन उपस्थित रहे। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि सडक बन जाने से गांव के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। विकास कार्यों के लिए सभी ग्राम पंचायतों को राशि उपलब्ध कराई जा रही है। सडक का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कराये जायें। स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा ग्रामवासी कराये जा रहे कार्यों की सतत निगरानी करें। कार्य की गुणवत्ता में किसी भी तरह से समझौता नहीं किया जायेगा। जनप्रतिनिधियों या ग्रामवासियों से लापरवाही की सूचना मिलने पर संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

सतना जिले में सूर्य उपासना के कार्यक्रम वेंकटेश मंदिर में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा विक्रम संवत् 2082 का शुभारंभ ईसवी कैलेण्डर 30 मार्च 2025 को होने के अवसर पर सूर्य उपासना आयोजन एवं नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन प्रत्येक जिले में किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। सतना जिले में यह कार्यक्रम व्यंकटेश मंदिर परिसर (व्यंकटेश लोक) सतना में 30 मार्च को प्रातः 10 बजे से आयोजित किया गया है।

विधायक मैहर ने 62 दिव्यांगों को वितरित किये सहायक उपकरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनपद पंचायत मैहर में शुक्रवार को मैहर जिले के विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने 62 दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण वितरित किये। इस दौरान विधायक द्वारा शिविर में आये दिव्यांगजनों को ईवी ट्राई साइकिल एवं कान की मशीन का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में जिले भर 77 चयनित दिव्यांगजनों में से 62 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किये गये। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा लोधी, उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यागजन कल्याण विभाग सौरभ सिंह, सीईओ जनपद प्रतिपाल बागरी, समग्र अधिकारी बालेंद्र पांडे, सहायक ओम शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैहर जिले में सूर्य उपासना कार्यक्रम 30 को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के आदेशानुसार विक्रम संवत् 2082 के शुभारंभ ईसवी कैलेण्डर 30 मार्च 2025 को प्रातः 10 बजे एकलव्य आवासीय विद्यालय मैहर के आडीटोरियम में सूर्य उपासना का आयोजन एवं नाट्य प्रस्तुत सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जायेगा।

कलेक्टर मैहर ने ली जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक

सभी बैंकर्स योजनाओं में लक्ष्य पूर्ति करें

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि मैहर जिले में विकास की संभावनाओं को देखते हुए सभी बैंकर्स अपने सीडी रेशियों को औसत आधार पर नहीं लेकर बल्कि इसे 80 प्रतिशत तक पहुचायें। कलेक्टर ने शासकीय विभागों की बैंक वित्त पोषित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विभाग अपने लक्ष्यों के अनुरूप मार्च समाप्ति तक शत-प्रतिशत लक्ष्य के प्रयास सुनिश्चित करे। इस आशय के निर्देश कलेक्टर मैहर की अध्यक्षता में संपन्न मैहर जिले की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में दिये गये। इस मौके पर मध्यांचल ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके वर्मा, एलडीएम अमित सिंह, जिला प्रबंधक नाबार्ड जीडी गोपेश संबंधित विभागों के अधिकारी और मैहर जिले के बैंकर्स उपस्थित थे।

मैहर जिले की वित्तीय वर्ष की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि बैंकों का सीडी रेशियों उस जिले के विकास के पैमाने का द्योतक होता है। सभी बैंकर्स ऋण राशि में वृद्धि करते हुए सीडी रेशियों को कम से कम 80 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि मैहर जिले में सभी सेक्टरों में विकास की संभावनाओं को मद्देनजर रखते हुए एनुअल क्रेडिट प्लान बनायें।

कलेक्टर ने कहा कि आदिम जाति कल्याण की योजनाओं में बैंकों द्वारा अपेक्षित प्रगति नहीं लाई जा रही। बैंकर्स सुनिश्चित करें कि वित्त पोषित बैंक सहायित योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति अनिवार्य रूप से मार्च के अंत तक सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रकरणों के लक्ष्य में मात्र स्वीकृति देना ही पर्याप्त नहीं है। स्वीकृत प्रकरणों में ऋण का वितरण भी होना चाहिए। तभी वास्तविक रूप से बैंक की लक्ष्यपूर्ति मानी जायेगी। बैठक में जानकारी दी गई कि मैहर जिले में कुल 63 बैंक शाखायें है।

1 से 4 अप्रैल तक सभी स्कूलों में मनाया जाएगा प्रवेशोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्कूल चले अभियान अंतर्गत प्रवेशोतसव कार्यक्रम 2025 प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्कूल चले हम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी स्कूलों में 1 से 4 अप्रैल 2025 तक तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेशानुसार 1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव के प्रथम दिन शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में सांसद, विधायक, शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के लिए उन्हें आमंत्रित किया जायेगा। शाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं को अतिथियों के द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की जायेगी। ग्राम/बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। सभी शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का आयोजन किया जाएगा। स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन शालाओं में "भविष्य से भेंट" कार्यक्रम होगा। जिसमें जनप्रतिनिधियों, समाज में विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिए आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, वरिष्ठ शासकीय अधिकारियों आदि के मध्य कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा। आमंत्रित व्यक्ति इस दौरान स्वेच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंटकर सकेंगे।

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 3 अप्रैल को विद्यालय स्तरीय सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधि पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। इसी दिन शाला में उपस्थित विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं एवं शासकीय योजनाओं के बारे में विद्यालय स्टॉफ द्वारा पालकों को स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जायेगा। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को हार के आगे जीत है ध्येय के माध्यम से वर्ष 2025 की परीक्षा में कक्षोन्नति प्राप्त न करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय में पुनः प्रवेश के लिए अभिभावकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में अनामांकित बच्चों का विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन एवं बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए समिति के सदस्यों के साथ कार्ययोजना बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा की जायेगी।

शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में कार्यक्रम

राष्ट्रीय शोध कार्यशाला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में 10 दिवसीय राष्ट्रीय शोध कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसका आज पांचवा दिन रहा इस 10 दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो डीएन सनसनवाल एवं प्रो आरएस पाण्डेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा एवं पूर्व संयुक्त संचालक अंजनी त्रिपाठी मौजूद रहे। वहीं आज पांचवे दिन भारत के महान शिक्षाविद बेस्ट टीचर एडुकेटर एवं लाइफ टाइम एचीवमेन्ट पुरस्कार प्राप्त प्रो. डी.एन. सनसनवाल ने बताया कि चर शोध का अनिवार्य अवयव है और उसका उल्लेख शोध शीर्षक में अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिये। किसी भी शोध में कम से कम एक चर आवश्यक होना चाहिये। सतत् चर वे होते हैं जिनका मान पूर्ण संख्या एवं भिन्न संख्या दोनो प्रकार से हो सकता है जबकि असतत् चर केवल पूर्ण संख्या के रूप में होते हैं। सतत् चर को असतत. चर में परिवर्तित किया जा सकता है किन्तु असतत् चर को सतत् चर में परिवर्तित करना संभव नहीं है, कुछ चर स्वतंत्र होते हैं वहीं कुछ अन्य चर आश्रित चर होते हैं कोई भी चर प्रत्येक परिस्थिति में न तो स्वतंत्र होता है न ही आश्रित। एक ही चर अलग-अलग परिस्थिति में स्वतंत्र या आश्रित चर की तरह व्यहार कर सकता है इसका तात्पर्य यह है कि धारणा निरपेक्ष न होकर सापेक्ष है किसी भी वस्तु या धारणा को चर कहलाने के लिये यह आवश्यक है कि उसमें मापे जाने का गुण होना चाहिये अगर उसमें मापन का गुण नहीं है तो मनोवैज्ञानिक शोध में उसे चर की श्रेणी में नहीं रखेंगे। किसी भी वस्तु या परिघटना का मापन मात्रात्मक ढंग से ही हो यह जरूरी नहीं है यदि उसका मापन गुणात्मक ढंग से ही होता है तो हम उसे चर की श्रेणी में रखेंगे। शोध में एक अन्य चर भी आपेक्षित रूप से उपस्थित होता है उसे अवरोधक चर कहते हैं। अवरोधक चर सतत् या असतत् किसी भी प्रकार का हो सकता है यह प्रक्रिया के अंदर या बाहर हो सकता है। यह स्वतंत्र चर की उपस्थिति में आश्रित चर को प्रभावित करता है, कुछ सावधानियां रखकर शोधकर्ता अपने शोध कार्य में अवरोधक चरों का प्रभाव को कम कर सकता है किन्तु उसे शून्य किया जाना संभव नहीं होता। चर के आधर पर ही उससे संबंधित आंकडे एकत्रित करने के लिये उपयुक्त उपकरण का निर्माण संभव होता है। उपयुक्त उपकरण का निर्माण होने से सभी आंकडों का संग्रह संभव होता है शोध समस्या के चयन का आधार मुख्य रूप से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन होता है, साथ ही ऐसे सिद्धान्त जो उपयोग में नहीं लाये गये हैं या जिनका कम उपयोग हुआ है।

उल्लेखनीय है कि यह शोध कार्यशाला 24 मार्च 2025 से चल रही है एवं इसका समापन 03 अप्रैल 2025 को राष्टीय सेमिनार से होगा जिसमें शोध पत्रों का प्रस्तुततीकरण किया जायेगा।

इस राष्ट्रीय शोध कार्यशाला में विश्वविद्यालयीन शोधार्थी, डाइट फैकल्टी सदस्य, शिक्षा महाविद्यालय के आचार्य एवं एम.एड. प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. आर.एन. पटेल, प्रो. एन. के. सिंह, डॉ. पी.एन. मिश्रा, श्रीमती सुषमा मिश्रा, श्रीमती अल्पना सिंह, श्रीमती नीता सिंह, श्रीमती कृष्णा सिंह, डॉ. दीपा अग्निहोत्री, श्रीमती गीता पालीवाल, डॉ. हरिश्चन्द्र द्विवेदी, डॉ. उमेश पाण्डेय, डॉ. संजीव तिवारी, डॉ. प्रियंका द्विवेदी, माया मिश्रा, श्रीमती स्मिता अग्रिहोत्री, श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती अंजू पाण्डेय, श्रीमती रेखा त्रिपाठी, श्रीमती रीना मिश्रा, श्रीमती इकलेश तिवारी, डॉ. तृप्ती श्रीवास्तव, श्रीमती नीलम मिश्रा, श्री अनूप पाण्डेय, आदि उपस्थित रहे।

विचार

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए।

बेरोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते?

सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं।

बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडगढ़ के किले में स्थित %पद्मावती% महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया।

कांग्रेस का संविधान के नाम पर दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।' कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है। कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी असर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सा में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं।

दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप- मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है।

मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने ऐलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प् बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है?

दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है? दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है। अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठंडा नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी। अब तो तीर कमान से निकल चुका है, भले ही अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सफाई देने में लगे हैं कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और वह संविधान में बदलाव का प्रस्ताव कभी नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का पक्षधर नहीं है। डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ऐसे आरक्षण के हिमायती नहीं थे। संविधान सभा में एकमत के साथ यह तय हुआ था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब अगर ऐसे आरक्षण की जरूरत पड़ने लगी है, या कांग्रेस मुसलमानों के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिये आरक्षण का हथियार चलाती है तो संविधान में संशोधन तो करना ही होगा। अपने आजाद देश में जरूरतमंदों को आरक्षण देने के लिए करीब 12 बार संविधान में संशोधन किए गए है और मुस्लिमों को महज मजहबी बुनियाद पर आरक्षण देने के लिए भी ऐसी जरूरत पड़ेगी।

गांधी परिवार के अत्यंत करीबी कर्नाटक के डिप्टी सीएम के बयान को सुनकर लोग हैरत में हैं। लोग संविधान के खिलाफ धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की कोशिश का विरोध कर रहे हैं। धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।' कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है। कांग्रेस भारत के संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही हैं, मुस्लिम आरक्षण को संविधान में जगह देकर संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफत की जा रही है। मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक हैं। कांग्रेस बार-बार मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर संविधान की मूल भावना को चुनौती दे रही है। मुस्लिम वोटबैंक के लिए ऐसा किया जाना संविधान की मूल भावना से खिलवाड है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी का रवैया आरक्षण को लेकर समय-समय पर बदलता रहा है। कभी उसने संविधान संशोधन की बात की, तो कभी आरक्षण का विरोध किया, तो कभी धर्म के आधार पर आरक्षण देने के प्रयास भी किए। आपातकाल के काले दौर में कांग्रेस द्वारा ऐसा भी किया गया, जब इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान की मूल प्रस्तावना ही बदल डाली। कांग्रेस नेता संविधान की किताब जेब में रखते हैं, लेकिन इसे कमजोर करने के लिए हरसंभव कोशिश भी करते हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव क्यों करना चाहती है?

कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है? स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। जबकि वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। भारतीय संविधान और लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की मंशा से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं।

दूसरे देशों में रह रहे हिंदुओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता

आज लगभग 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विश्व के अन्य देशों में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के राजनैतिक पटल पर भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, आदि विकसित देश इसके प्रमाण हैं। आस्ट्रेलिया में तो भारतीय मूल के नागरिकों को राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय करने के गम्भीर प्रयास स्थानीय स्तर पर किए जा रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका सिद्ध हो चुकी है। राजनैतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी भारतीय मूल के नागरिकों ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है जैसे अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आज भारतीयों का ही बोलबाला है। अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच वन-बी वीजा जारी किए जाते हैं, इसमें से लगभग 60,000 एच वन-बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। इसी प्रकार अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारतीय मूल के नागरिक बन रहे हैं। आज अमेरिका एवं ब्रिटेन में प्रत्येक 7 चिकित्सकों में 1 भारतीय मूल का नागरिक हैं। न केवल उक्त वर्णित विकसित देशों बल्कि खाड़ी के देशों यथा, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भी भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों के आर्थिक विकास में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई देशों यथा सिंगापुर, गुयाना, पुर्तगाल, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका आदि के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति) भारतीय मूल के नागरिक रहे हैं एवं कुछ देशों में तो अभी भी इन पदों पर आसीन हैं। साथ ही, 42 देशों की सरकार अथवा विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी रहा है।

दूसरी ओर, भारत के पड़ोसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बांग्लादेश में तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी वह आज घटकर 8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। लगभग यही हाल पाकिस्तान का भी है। बांग्लादेश में तो हाल ही के समय में सत्ता पलट के पश्चात हिंदुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदायों पर कातिलाना हमले किए गए हैं। केवल बांग्लादेश ही क्यों बल्कि विश्व के किसी भी अन्य देश में हिंदुओं के साथ इस प्रकार की घटनाओं का कड़ा विरोध होना चाहिए। भारतीय मूल के नागरिक सनातन संस्कृति के संस्कारों के चलते बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से इन देशों के विकास में अपनी भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद भी यदि भारतीयों पर इस प्रकार के आक्रमण किए जाते हैं तो इसकी

निंदा तो की ही जानी चाहिए एवं विश्व समुदाय से इस संदर्भ में सहायता भी मांगी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बांग्लादेश में हिंदूओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए घातक हमलों की अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने भी भर्त्सना की थी, इसी प्रकार के विचार अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी प्रकट किया थे। परंतु, आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय हिंदू समाज भी विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के साथ खड़ा हो। इसी संदर्भ में, दिनांक 21 मार्च से 23 मार्च 2025 को बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान किया गया है एवं इस संदर्भ में निम्नलिखित एक विशेष प्रस्ताव भी पास किया गया है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है।

बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएं, सम्पत्ति की लूट, महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात मतांतरण जैसी अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके मजहबी पक्ष को नकारना सत्य से मुंह मोड़ने जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीड़ित, हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों से ही हैं। बांग्लादेश में हिंदू समाज, विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा जनजाति समाज का इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत) दर्शाती है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसा और घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गम्भीर चिंता का विषय है। साथ ही, बांग्लादेश से लगातार हो रहे भारत विरोधी वक्तव्य दोनों देशों के सम्बन्धों को गहरी हानि पहुंचा सकते हैं।

कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियां जान बूझकर भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में अविश्वास और टकराव का वातावरण बनाते हुए एक देश को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं। प्रतिनिधि सभा, चिन्तनशील वर्गों और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े विशेषज्ञों से अनुरोध करती हैं कि वे भारत विरोधी वातावरण, पाकिस्तान तथा डीप स्टेट की सक्रियता पर दृष्टि रखें और इन्हें उजागर करें। प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि इस सारे क्षेत्र की एक सांझी संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक सम्बंध हैं जिसके चलते एक जगह हुई कोई भी उथल पुथल सारे क्षेत्र में अपना प्रभाव उत्पन्न करती हैं। प्रतिनिधि सभा का मानना है कि सभी जागरूक लोग भारत और पड़ौसी देशों की इस सांझी विरासत को दृढ़ता देने की दिशा में प्रयास करें। यह उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के हिंदू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण, संगठित और लोकतांत्रिक पद्धति से साहसपूर्वक विरोध किया है। यह भी प्रशंसनीय है कि भारत और विश्वभर के हिंदू समाज ने उन्हें नैतिक और भावनात्मक समर्थन दिया है। भारत सहित शेष विश्व के अनेक हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन किए हैं और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा व सम्मान की मांग की है। इसके साथ ही विश्व भर के अनेक नेताओं ने भी इस विषय को अपने स्तर उठाया है। भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ खड़े रहने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उसने यह विषय बांग्लादेश की आंतरिक सरकार के साथ साथ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उठाया है। प्रतिनिधि सभा भारत सरकार से अनुरोध करती है कि वह बांग्लादेश के हिंदू समाज की सुरक्षा, गरिमा और सहज स्थिति सुनिश्चित करने के लिए वहां की सरकार से निरंतर संवाद बनाए रखने के साथ साथ हर सम्भव प्रयास जारी रखे। प्रतिनिधि सभा का मत है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों व वैश्विक समुदाय को बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्प संख्यक समुदायों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार का गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिए और बांग्लादेश सरकार पर इन हिंसक गतिविधियों को रोकने का दबाव बनाना चाहिए।

कछुओं की मौत पर हाईकोर्ट की सख्ती

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर ((निप्र))। बिलासपुर जिले के रतनपुर स्थित महामाया मंदिर कुंड में 30 कछुओं की मौत पर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। जिसके बाद वन विभाग का अमला जांच में जुट गया है। जानकारी के मुताबिक महामाया मंदिर ट्रस्ट ने कुंड की सफाई कराई और जाल डालकर मछलियों को निकलवाया है। इसी दौरान कछुओं की भी मौत होने की बात कही जा रही है।

हाईकोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट पर कलेक्टर और मंदिर ट्रस्ट पर नाराजगी जताई। साथ ही उन्हें शपथपत्र के साथ जवाब देने का आदेश दिया है। इधर, हाईकोर्ट की सख्ती के बाद गुरुवार को वनमंडल का उड़नदस्ता दल मंदिर पहुंचा।

इस दौरान वहां के तीन सुरक्षाकर्मी और दो सफाईकर्मियों से पूछताछ कर बयान दर्ज किया गया। हालांकि, बयान में उन्होंने किस तरह की जानकारी दी, इसे विभाग स्पष्ट नहीं कर रहा है। कहा जा रहा है कि मंदिर ट्रस्ट के कहने पर उन्होंने कुंड में जाल डालकर मछलियां निकाली थी।

वन विभाग पर दोषियों को बचाने का आरोप: दरअसल, कछुओं की मौत का मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया है। जबकि, स्पष्ट है कि कुंड से कछुओं को निकाला गया है, जिससे उनकी मौत होने की बात कही जा रही है। इस पूरे मामले में वन विभाग के अफसर और कर्मचारियों की भूमिका सवालों के घेरे में है।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद निकाला सीसीटीवी वीडियो: इस घटना के बाद वन विभाग ने सीसीटीवी वीडियो की भी जांच की, जिसमें कुंड से मछली निकालकर बोरे में लेकर जाते युवक नजर आ रहे हैं। बोरे में कछुओं को भी छिपाकर रखने की आशंका जताई जा रही है।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद गुरुवार को उड़नदस्ता दल का सहयोग भी लिया गया। दल के सदस्य रतनपुर पहुंचे। इस दौरान तीन सुरक्षाकर्मी और दो सफाई कर्मियों से पूछताछ की। उनका बयान भी लिया गया। उनके बयान से कुछ अहम सुराग भी मिले।

दम घुटने से हुई कछुओं की मौत: वन विभाग ने कछुओं का पोस्टमॉर्टम कराया है। पीएम रिपोर्ट में कछुओं की मौत दम घुटने से होने की पुष्टि हुई है। माना जा रहा है कि कुंड में जिस जाल को डाला गया, उसकी जाली पतली थी। जब कछुए इसमें फंसे होंगे तो बाहर निकलने के चकक्कर में जाल में फंस गए, जिससे उनका दम घुट गया होगा।

कोरबा में सड़क सुरक्षा के लिए विशेष पहलरूपुलिस और प्रेस

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा में सड़क हादसों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन और प्रेस संगठन ने महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने हेलमेट जागरूकता रैली का आयोजन किया। कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

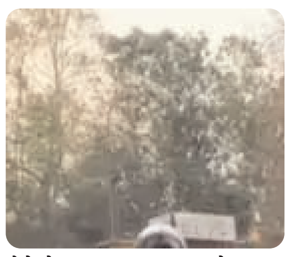

रैली थाना परिसर से शुरू हुई। यह नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कारखाना क्षेत्र और चकचकवा पहाड़ तक पहुंची। रैली में पुलिस अधिकारियों, पत्रकारों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने लोगों को हेलमेट के महत्व के बारे में बताया।

अधिकतर मौतें हेलमेट नहीं पहनने से होती है कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने कहा कि अधिकतर मौतें बिना हेलमेट बाइक चलाने से हो रही हैं। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मुख्य मार्ग न होने के कारण सड़क हादसे ज्यादा होते हैं। सिर पर चोट लगने से लोगों की मौत होती है, जो हेलमेट पहनने से बच सकती है।

हेलमेट लगाने की हिदायत

थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि वे जांच के दौरान लोगों को हेलमेट पहनने की सलाह देते हैं। थाने आने वाले हर व्यक्ति को भी हेलमेट लगाने की हिदायत दी जाती है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

तैरना नहीं आता था फिर भी डूबते पिता को बचाया

मीडिया ऑडीटर, धमतरी(निप्र)। धमतरी जिले में 10 और 11 साल के 2 बच्चों ने गजब की बहादुरी दिखाई है। रूद्री नदी में स्विमिंग के लिए गए पिता को उसके बेटे और भतीजे ने डूबने से बचा लिया। बच्चों को तैरना नहीं आता था फिर भी उन्होंने जान बचाने का साहस दिखाया। इतना ही नहीं दोनों ब्व्त् देकर उसे होश में भी ले आए।

दरअसल, आमा तालाब के रहने वाले संतोष देवांगन (46 साल) शुरू वार सुबह 8 बजे अपने बेटे और भतीजे को रुद्री नदी ले गए। स्विमिंग सिखाने के दौरान पहले तो बेटे आशु (11 साल) का पैर फिसल गया। तभी संतोष ने बेटे को बचाने तुरंत वहां आ गए। सीपीआर देकर पिता को होश में ले आए बच्चे

संतोष ने पहले बेटे आशु और और भतीजे मेहुल (10 साल) को किनारे की ओर धक्का देकर सुरक्षित किया। इसी बीच वे खुद गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। पिता को डूबता देख बेटे आशु और भतीजे मेहुल हड़बड़ा गए।

दोनों को तैरना नहीं आता था, ऐसे में उन्हें कुछ समझ नहीं रहा था वो क्या करें। दोनों बच्चों ने हिम्मत दिखाई और गहरे पानी में उतरकर उन्हें बाहर खींच लिया। डूबने की वजह से संतोष बेहोश हो चुके थे। बच्चों ने सीपीआर देकर उन्हें होश में भी ले आए। दूसरे व्यक्ति के मोबाइल से घरवालों को दी जानकारी

भतीजे मेहुल ने वहां एक व्यक्ति से मोबाइल मांगा और फिर घरवालों को घटना के बारे में जानकारी दी। इसके बाद घर वाले मौके पर पहुंचे। वहीं संतोष को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां वे अब आईसीयू में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है।

बच्चों ने बिना अपनी जान की परवाह किए बचाई जान: संतोष देवांगन ने बताया कि वे अक्सर रूद्री नदी में नहाने जाते हैं, लेकिन इस बार गहराई का सही अंदाजा नहीं लगा सके, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें थोड़ी बहुत तैराकी आती है, लेकिन उनके बेटे और भतीजे को तैरना नहीं आता। इसके बावजूद, बच्चों ने बिना अपनी जान की परवाह किए उन्हें बचाया। संतोष देवांगन ने दोनों बच्चों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि वे आज उन्हीं की वजह से जिंदा हैं।

ठेका श्रमिकों को 2 माह से भुगतान नहीं

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के सीपत स्थित छज्ज्ब् के 35 ठेका श्रमिकों को 2 माह से मजदूरी भुगतान नहीं किया गया है। आरोप है कि सिमर इंफ्रास्ट्रक्कर लिमिटेड, एचआर और उसके पेटी ठेकेदार ने पारिश्रमिक नहीं दिया। जिसके बाद मजदूरी का भुगतान करने की मांग करने पर उन्हें धमकी देकर डराया धमकाया गया।

इसके बाद काम से निकाल दिया गया। साथ ही गेट पास जब्त कर लिया। इस दौरान मजदूरों ने मटेरियल गेट के पास जमकर हंगामा मचाया।

दरअसल, छज्ज्ब् में सिमर इंफ्रास्ट्रक्कर लिमिटेड कंपनी ने पेटी कॉन्ट्रैक्टर रंजन कुमार सिंह को काम दिया है। जिसमें 35 मजदूरों को जनवरी माह में काम पर रखा गया। जिसके बाद मजदूरों से जनवरी और फरवरी में 2 माह तक काम कराने के बाद भुगतान नहीं किया गया।

पारिश्रमिक नहीं देने की शिकायत: 2 माह का मानदेय भुगतान नहीं करने पर मजदूरों ने प्रबंधन से शिकायत की, जिस पर कंपनी के अधिकारी और ठेकेदार रंजन कुमार सिंह ने उनका गेट पास जब्त कर लिया। जिसके बाद उन्हें काम से निकालने की धमकी दी गई।

कंपनी के मैनेजर और भ्त् ने भी दी धमकी: मजदूरों ने काम कराने के बाद शोषण करने और पारिश्रमिक भुगतान करने की मांग करने पर कंपनी के मैनेजर और एचआर पर धमकी देने की शिकायत की है। उनका आरोप है कि कड़ी मेहनत करने के बाद भी उनको पैसा नहीं दिया जा रहा है, जिसके बाद अब काम से निकाल दिया गया है।

ऐसे में उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। इसे लेकर मजदूरों ने मटेरियल गेट के पास जमकर हंगामा मचाया।

महान योद्धा राणा सांगा को गद्दार कहने पर विरोधरूबिलासपुर में सर्व राजपूत क्षत्रिय समाज नैंच् को सौंपा ज्ञापनय आंदोलन की

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर(एजेंसी)। बिलासपुर में समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के विवादित बयान से विवाद खड़ा हो गया है। सांसद ने महान योद्धा राणा सांगा को श्गद्दारश् कहा था। इस बयान के विरोध में सर्व राजपूत क्षत्रिय समाज ने शुरू वार को ैच् ऑफिस में प्रदर्शन किया। समाज के प्रतिनिधियों ने सीएसपी निमितेश सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। समाज का कहना है कि सांसद की टिप्पणी राणा सांगा का अपमान है। यह समाज में जातीय विद्वेष फैलाने का प्रयास है। उन्होंने कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

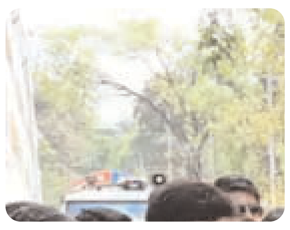

क्षत्रिय समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि उनके समाज ने देश के लिए सबसे ज्यादा बलिदान दिए हैं। ऐसे गौरवशाली इतिहास का अपमान सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर सांसद के खिलाफकार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़कों पर उतरकर प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगे।

मोमोज चटनी डालकर वृद्ध से युवकों ने लूटा

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर((निप्र))। जिले के वाड्रफनगर में बैंक से पैसा निकाल वापस घर पहुंचे वृद्ध किसान से युवकों ने एक लाख रुपए लूट लिया और भाग निकले। युवकों ने किसान के चेहरे पर मोमोज की तीखी चटनी फेंक दी, जिससे वह हड़बड़ा गया। आशंका है कि लुटेरों ने बैंक से ही किसान का पीछा किया था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, नगर पंचायत वाड्रफनगर के वार्ड ₹ मांक 11 निवासी किसान मोहन सिंह मरावी (70) शुरू वार को पैसा निकालने के लिए ग्रामीण बैंक गए थे। उन्होंने अपने खाते से एक लाख रुपये का आहरण किया और पैसे बैग में रखकर अपने घर पहुंचे। मोहन सिंह मरावी ने जैसे ही पैसे से भरा बैग लेकर घर के अंदर घुसे, बाइक सवार दो युवकों ने उनके चेहरे पर मोमोज की तीखी चटनी फेंक दी।

युवकों ने मोहन सिंह मरावी पर बैंक से निकलने के बाद भी चटनी फेंकी थी, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। घर पहुंचकर वे रूपयों से भरा बैग अपनी नातिन को देने की कोशिश की, उसी दौरान बाइक सवार युवकों में से एक ने रूपयों से भरा बैग छीन लिया और बाहर भागा। युवक बाइक में सवार होकर मौके से भाग निकले।

दिन-दहाड़े लूट की घटना की सूचना मिलने पर वाड्रफनगर चौकी प्रभारी धीरेंद्र तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बैंक एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। सीसी कैमरों में आरोपी युवक कैद हुए हैं, हालांकि उनका चेहरा स्पष्ट नहीं है।

फुटेज की जांच में पता चला कि बाइक में तीन युवक सवार थे। उनमें से एक युवक ने घर में घुसकर वृद्ध किसान के हाथों से बैग छीना और तीनों युवक बाइक में सवार होकर भाग निकले। पुलिस युवकों की तलाश कर रही है।

मनेंद्रगढ़ में नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मनेंद्रगढ़ . कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार विगत 27 मार्च 2025 को जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के सभागार में विकासखंड अंतर्गत 72 ग्राम पंचायतों के नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए एक दिवसीय अभिमुखीकरण एवं परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवनिर्वाचित सरपंचों को पंचायत संचालन, प्रशासनिक कार्यों, वित्तीय प्रबंधन एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की बारीकियों से अवगत कराना था।प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत पूर्व निर्धारित समयानुसार जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) सुश्री वैशाली सिंह द्वारा की गई। उन्होंने सभी सरपंचों का स्वागत करते हुए पंचायतों की भूमिका, शासन की प्राथमिकताओं एवं विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। इस अवसर पर विषय-विशेषज्ञों ने पंचायत संचालन से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। प्रशिक्षण में विशेष रूप से पंचायत राज अधिनियम, वित्तीय प्रबंधन, जल एवं स्वच्छता मिशन ग्रामीण विकास योजनाएं तथा सरपंचों की प्रशासनिक एवं विधिक जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ करारोपण अधिकारी श्री पात्रिक एक्का, सहायक करारोपण अधिकारी श्री संतोष पाण्डेय, सहायक विकास विस्तार अधिकारी श्री कमल किशोर जायसवाल, श्री नंदलाल साहू, संकाय सदस्य श्रीमती प्रभा प्यासी (विकासखंड समन्वयक, स्वच्छ भारत मिशन) एवं श्री राकेश जैन उपस्थित थे। मनेंद्रगढ़ विकासखंड के सभी 72 ग्राम पंचायतों के नवनिर्वाचित सरपंचों ने इस प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं की मॉनिटरिंग, प्रशासनिक प्रक्रियाएं, बजट प्रबंधन, पंचायत में पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

रायपुर निगम बजट...इलेक्ट्रॉनिक मार्केट और ट्रेड टावर बनेंग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर नगर निगम में मेयर मीनल चौबे ने 1529 करोड़ 53 लाख 28 हजार रुपए का बजट पेश कर दिया है। शहर में तीन जगहों पर वर्किंग विमेंस हॉस्टल और विमेन रेस्ट रूम बनाए जाएंगे, जिसमें सेनेटरी वेंडिंग मशीन और बेबी फीडिंग रूम भी होंगे। बच्चों के लिए प्ले जोन, युवाओं के लिए लाइब्रेरी का ऐलान किया गया है।

पब्लिक प्लेस पर महिला सुरक्षा के तहत सर्विलांस कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए 20 लाख का प्रावधान है। स्ट्रीट वेंडर्स को डिजिटल लेन-देन का प्रशिक्षण मिलेगा। दिव्यांगों के लिए 10 करोड़ की लागत से दिव्यांग पार्क बनेंगे। इलेक्ट्रॉनिक मार्केट, रि स्टल आर्केड कॉमर्शियल हब और ट्रेड टावर भी बनाए जाएंगे। मेयर पीले रंग की मखमली फाइल में बजट लेकर निगम कार्यालय पहुंची थीं। फाइल में छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो छपी है। इस दौरान मीनल ने कहा कि पिछले महापौर ने लगभग 2000 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया था, उसमें सिर्फ 850 करोड़ रुपए ही खर्च हुए। हमारा जो बजट है वास्तविकता का बजट है।

वहीं नेता प्रतिपक्ष संदीप साहू ने इसे फेलियर बजट कहा है। साहू के मुताबिक बजट में मूलभूत सुविधाओं की बात नहीं है। गौ संरक्षण के लिए गौ अभयारण्य बनाने का कोई प्रावधान नहीं है। मच्छरों के उन्मूलन के लिए पर्याप्त प्रावधान नहीं है।

पीमए मोदी 33 हजार 700 करोड़ के प्रोजेक्ट लॉन्च करेंगे

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। नरेंद्र मोदी 30 मार्च को दोपहर 2 बजे छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सभा करेंगे। यहां 33 हजार 700 करोड़ के प्रोजेक्ट लॉन्च करेंगे। इनमें बिजलीए तेलए गैसए रेलए सड़कए शिक्षा और आवास जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा च्ड मोदी 540ज्ञड की पेट्रोल.डीजल पाइप लाइन प्रोजेक्ट भी लॉन्च करेंगे। साथ ही 29 जिलों में 130 हाईटेक पीएमश्री स्कूल बनाने की घोषणा करेंगे। पीएमश्री स्कूलों में स्मार्ट बोर्डए आधुनिक लैब और लाइब्रेरी से अपग्रेड होंगे। च्ड आवास योजना के तहत 3 लाख लाभार्थियों का गृह प्रवेश होगाए जिन्हें च्ड मोदी चाबियां भी सौंपेंगे। अभनपुर.रायपुर मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। इसे लेकर छत्तीसगढ़ के डिप्टी ब्ड अरुण साव ने कहा कि हिंदू नव वर्ष के पहले दिन प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ आ रहे हैंए यह ऐतिहासिक है। अनुमान है लगभग 2 लाख लोग कार्यर₹ म में शामिल होंगे। पार्किंग व्यवस्था से लेकर सारी व्यवस्थाओं की गई हैं। मोदी की सभा करीब 55 एकड़ के मैदान में होगी।

रिश्वतखोर हॉस्टल वार्डन अरेस्ट, 50 हजार कैश के साथ पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर/सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सक्ती और सूरजपुर जिले में शुरू वार को ।ब्ठ की टीम ने रिश्वतखोरी के खिलाफ छापेमारी की। सक्ती जिले में ।ब्ठ के अफसरों ने छात्रावास अधीक्षक को 50 हजार रिश्वत लेते पकड़ा। वहीं सूरजपुर जिले में लिपिक को 10 हजार और पटवारी को 15 हजार घूस लेते पकड़ा गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक तीनों आरोपियों ने अलग-अलग कामों के लिए रिश्वत की मांगी थी, जिसके बाद पीड़ितों ने बिलासपुर और सरगुजा ।ब्ठ से शिकायत की थी। शिकायत के बाद ।ब्ठ की टीम ने कैश के साथ आरोपियों को पकड़ा है।

दरअसल, सक्ती जिले के कुटराबोड़ गांव के राजेंद्र जांगड़े ने ।ब्ठ से शिकायत की थी। ।ब्ठ से बताया कि उसका बेटा रवींद्र जांगड़े गांव के बालक अनुसूचित जाति बालक आश्रम में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में चौकीदारी और कुक का काम करता है।

एक महीने पहले छात्रावास में लगे इलेक्ट्रिक बोर्ड को अज्ञात लोगों ने तोड़ दिया था, जिससे उसके बेटे रवींद्र जांगड़े को उस पद से हटा दिया गया। रवींद्र जांगड़े ने उसे विभाग के अधिकारियों से मिलकर काम पर फिर से रखने के लिए निवेदन करने के लिए भेजा था। इसके बाद जैजैपुर के आदिवासी विकास विभाग के कार्यालय में पदस्थ मंडल निरीक्षक संदीप खांडेकर से मिला। मंडल निरीक्षक ने रवींद्र जांगड़े को दोबारा नौकरी में लेने के एवज में 1 लाख 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। संदीप खांडेकर छात्रावास में अधीक्षक भी है।

शिकायत का सत्यापन कराए जाने के दौरान आरोपी ने 50 हजार रुपए ले लिए थे। अगले किश्त के रूप में फिर 50 हजार लेने के लिए सहमति बनी। इसके बाद ।ब्ठ बिलासपुर की टीम ने 28 मार्च को प्लानिंग के साथ पहुंची। पीड़ित को 50 हजार कैश के साथ संदीप खांडेकर के पास भेजा।

शहर की सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दे : आयुक्त नगर निगम चिरमिरी

चिरमिरी. छत्तीसगढ़ सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार नगर निगम के महापौर रामनरेश राय के मार्गदर्शन में प्रतिदिन की भांति गुरूवार की सुबह भी नगर निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला ने नगर के पोड़ी बड़ानाला, कोरिया एवं गेल्हापानी के एस.एल.आर.एम. सेन्टर व कोरिया में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। आयुक्त आचला ने भ्रमण के दौरान एस.एल.आर.एम. सेन्टर का अवलोकन कर पूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वच्छता दीदियों द्वारा सेंटर परिसर में संपादित कार्यों का विस्तार से जानकारी प्राप्त की। वहीं कोरिया कॉलरी में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता को देखा और संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को कार्य की गुणवत्ता और वर्क क्वालिटी पर विशेष ध्यान रखते हुए समय-सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान नगर निगम के स्वच्छता निरीक्षक रामगोपाल मलिक व निगम के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

कुणाल कामरा को 7 अप्रैल तक अग्रिम जमानत

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को मद्रास हाईकोर्ट से 7 अप्रैल तक अग्रिम जमानत मिल गई है। कुणाल ने याचिका में कहा था कि वह तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के रहने वाले हैं। अगर मुंबई वापस आएंगे तो मुंबई पुलिस गिरफ्तार कर लेगी। शिवसेना के कार्यकर्ताओं से उनकी जान को खतरा है। इससे पहले, पुलिस ने कामरा को दो समन जारी किए हैं। उन्हें 31 मार्च को पेश होने के लिए कहा गया है। वहीं, महाराष्ट्र विधान परिषद ने भी गुरुवार को उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पारित किया। दरअसल, कुणाल कामरा ने एक शो में पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया। इसके खिलाफ पुलिस ने स्न्ढ्ढक्र दर्ज की है। कामरा को पुलिस ने 31 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। गुरुवार को वीडियो में मिस्टर इंडिया फिल्म के गाने पर पैरोडी बनाने की वजह से कुणाल को टी-सीरीज ने कॉपीराइट नोटिस भेजा। कुणाल ने ङ्क पर यह जानकारी दी। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसते हुए कहते हैं मुझको हवा हवाई... गाने पर पैरोडी सॉन्ग गाया था।

सबसे गर्म साल होगा 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इस बार उम्मीद से कहीं ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल देश के नॉर्थ-वेस्ट राज्यों यानी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, दिल्ली में हीटवेव (लू) के दिनों की संख्या दोगुनी होने की आशंका है। आमतौर पर अप्रैल से जून के महीनों में लगातार 5-6 दिन लू चलती है, लेकिन इस बार 10 से 12 दिनों के ऐसे कई दौर आ सकते हैं। हालांकि, मौसम विभाग ने यह जानकारी नहीं दी कि इस साल हीटवेव का असर कितने दिन रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर हीटवेव के दिनों की संख्या दोगुनी होती है तो 2025 अब तक का सबसे गर्म साल होगा। ऐसे में पारा सामान्य से 5 डिग्री या इससे भी ज्यादा रह सकता है। भारत के लिए साल 2024 सबसे ज्यादा गर्म सालों में से एक रहा था। बीते साल देश में 554 दिन हीटवेव का असर रहा था। बता दें कि साल में 365 दिन होते हैं, लेकिन हीटवेव के लिए इन्हें गिनने का अलग तरीका है।

ऑक्सफोर्ड में ममता बनर्जी का विरोध

कोलकाता/लंदन (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में गुरुवार को भाषण के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बंगाल में हुई हिंसा, आरजी कर कॉलेज रेप-मर्डर केस और संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर सवाल उठाए। ममता ने कहा- आप जानते हैं कि यह मामला अदालत में है और ये केस हमारे हाथ में नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। प्रदर्शनकारी छात्रों के शांत न होने पर ममता बनर्जी ने कहा, यहां राजनीति मत करो, यह राजनीति का मंच नहीं है। मेरे राज्य में आओ और मेरे साथ राजनीति करो। प्रदर्शनकारियों के हंगामे की वजह से ममता को भाषण रोकना पड़ा। यह विरोध स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने किया है। छात्र संगठन ने कहा कि हम ममता बनर्जी के झूठे दावों का विरोध कर रहे थे। घटना का वीडियो भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया ङ्क पर शेयर किया।

प्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ बढ़ रहा-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इतिहास के ऐसे पड़ाव पर पहुंच गया है, जहां से साफ दिख रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। कर्मयोगी भाव, भावनाओं के साथ विकसित भारत के लिए प्रतिबद्ध प्रयास समय की जरूरत है। कर्मयोग दैनिक जीवन में उच्चतर उद्देश्य के लिए आगे बढ़ने का वह रास्ता है जो व्यक्तिगत उन्नति के साथ समाज सुधार और सेवा का प्रभावी साधन है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी विभिन्न भाषाए, बोलियां, मनोभाव और मूकभाव सभी संस्कृति के वह आभूषण है, जिन पर हमें गर्व है। प्रदेश में अन्य भाषाओं तमिल, तेलुगू आदि पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रदेश में प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिशन कर्मयोगी के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल

करते हुए कमेटी बनाई जाएगी। यह बातें राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम में कही। कार्यशाला का आयोजन राजभवन मध्यप्रदेश द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग और यूनाइटेड कॉन्शियसनेस के सहयोग से किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता और अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने छिंदवाड़ा के पारंपरिक बुनकरों द्वारा तैयार उत्तरीय परिधान और पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया। कार्यशाला में उप कुलपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रोफेसर शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री भरत शरण सिंह, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े भी मंचासीन थे।

कठुआ में एनकाउंटर, 3 आतंकी ढेर, 4 जवान शहीद

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कठुआ जिले के राजबाग में 27 मार्च से चल रहे एनकाउंटर में अबतक तीन आतंकी मारे गए। इसके अलावा सुरक्षाबलों के चार जवान शहीद हुए हैं और तीन अन्य घायल हैं। बीते दिन तारिक अहमद, जसवंत सिंह और बलविंदर सिंह गोलीबारी में घायल हुए थे। इलाज के दौरान इनकी मौत हुई थी। ये जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के जवान हैं। वहीं, चौथे जवान का शव शुक्रवार सुबह सर्च ऑपरेशन शुरू होने पर ड्रोन में नजर आया था। इनकी पहचान की जानकारी सामने नहीं आई है। छ्वस्क्कधीरज सिंह

समेत अन्य जवानों का इलाज उधमपुर आर्मी अस्पताल में चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक राजबाग के घाटी जुथाना इलाके के जखोले गांव में सुरक्षाबलों को करीब 9 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट से जुड़े हैं। 23 मार्च से चल रहा है एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन न्यूज एजेंसी डीएसपी के मुताबिक 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में आतंकवादियों के एक ग्रुप को सुरक्षाबलों ने घेर लिया था, लेकिन वे भागने में कामयाब रहे। माना जा रहा है कि ये वही आतंकवादी हैं, जो सान्याल से निकलकर जखोले गांव के पास देखे गए। यह गांव हीरानगर सेक्टर से लगभग 30 किमी दूर है। सुरक्षाबलों ने जानकारी मिलते ही उन्होंने इलाके को घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान सेना के दो जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कैश मामला, जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर स्न्ढ्ढक्र दर्ज करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा मामले में सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी जांच कर रही है। रिपोर्ट में कुछ

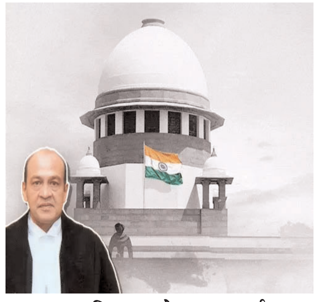

गड़बड़ मिला तो एफआईआर होगी या मामला संसद को भेजा जाएगा। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंची फायर सर्विस टीम को उनके स्टोर रूम में बोरियों में भरे 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे। तब से ही यह पूरा मामला सुर्खियों में बना हुआ है।

सरकार ने बढ़ाया केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता, 1 करोड़ 15 लाख लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार (28 मार्च) को हुई कैबिनेट मीटिंग में डीए बढ़ोतरी पर फैसला हुआ। इससे पहले जुलाई 2024 में सरकार ने 3त्न बढ़ोतरी की थी। 8वें वेतन आयोग के लागू होने से पहले इस बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 53त्न से बढ़कर 55त्न हो जाएगा। इसका फायदा करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 66 लाख पेंशनर्स को होगा। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2025 से लागू होगी। डीए की घोषणा में देरी हुई इसलिए अप्रैल के वेतन में पिछले तीन महीनों (जनवरी-मार्च 2025) के एरियर के साथ बढ़ा हुआ डीए भी शामिल होगा। आमतौर पर महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी 3त्न से 4त्न के बीच होती है, लेकिन इस बार बढ़ोतरी सिर्फ 2त्न है। ये पिछले सात सालों में सबसे कम है। वहीं सरकार आम तौर पर होली और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों से पहले बढ़ोतरी की घोषणा करती है। इस बार घोषणा होली के बाद की गई। महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए महंगाई भत्ता यानी, डीए दिया जाता है। डीए की दरें ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय होती हैं, और यह हर 6 महीने में अपडेट होती है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है।

पंजाब सरकार का दावा- डल्लेवाल का अनशन खत्म

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को किसानों को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान पंजाब सरकार ने दावा किया कि किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने अनशन तोड़ दिया है। पंजाब के महाधिवक्ता (त्र) गुरमिंदर सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच को जानकारी दी कि डल्लेवाल ने अपना अनशन समाप्त कर दिया है। डल्लेवाल पिछले साल नवंबर से भूख हड़ताल पर थे। एजी सिंह ने बताया डल्लेवाल ने आज पानी ग्रहण कर उपवास तोड़ा। वहीं, दूसरी ओर सरकार के इस दावे को किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि डल्लेवाल का अनशन खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने सिर्फ पानी पीया है। वह 19 मार्च से पानी भी नहीं पी रहे थे। उनका अनशन अभी भी जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई के दौरान पंजाब सरकार के खिलाफ दायर अवमानना याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, पंजाब प्रशासन पर यह आरोप था कि उन्होंने कोर्ट के पिछले साल दिए गए यथास्थिति बनाए रखने के आदेश का उल्लंघन कर किसानों को बॉर्डर से हटाया। लेकिन बेंच ने साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट स्वयं सरकार से हाईवे खुलवाने को कह रहा था।

गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम को दी 3 महीने की जमानत

अहमदाबाद (एजेंसी)। दुष्कर्म के दोषी आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मेडिकल रिपोर्ट्स के आधार पर गुजरात हाई कोर्ट ने तीन महीने की जमानत दी है। आसाराम ने 6 महीनों की जमानत के लिए याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस इलेश वोरा की राय का जस्टिस एएस सुपेहिया ने समर्थन किया और आसाराम की तीन महीने की जमानत मंजूर हो गई। आसाराम बापू को 2013 के बलात्कार मामले में 2023 में सत्र अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया था और वह आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। उन्होंने छह महीने की अस्थायी जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उनके वकील ने तर्क दिया कि डॉक्टरों की राय के अनुसार उन्हें 90 दिनों के पंचकर्म चिकित्सा सत्र की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस साल जनवरी में उन्हें 31 मार्च तक चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा था कि इसे बढ़ाने के लिए संबंधित हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की जा सकती है, इसलिए आसाराम ने हाईकोर्ट से 6 महीने के लिए और जमानत मांगी थी। 31 जनवरी 2023 को एक सेशन कोर्ट ने आसाराम बापू को अपने अहमदाबाद स्थित आश्रम में अपनी महिला शिष्या के साथ कई बार बलात्कार करने का दोषी पाया था। उन्हें दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उन्हें आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार), 377 (अप्राकृतिक अपराध), धारा 342 (गलत तरीके से कारावास), 506 (आपराधिक धमकी) और 357 (किसी व्यक्ति को गलत तरीके से कैद करने के प्रयास में हमला या आपराधिक बल) और 354 (महिला की गरिमा को भंग करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल) के तहत दोषी ठहराया गया था।

राजस्थान समेत 5 राज्यों में चलेगी धूल भरी आंधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने 28 मार्च को पश्चिमी राज्य राजस्थान में 20-30 किलोमीटर की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है। इसके असर से कई हिस्सों में पारा 3 सेल्सियस-5 सेल्सियस तक घट जाएगा। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी 25 से 35 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके उलट, मध्यप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ में पारा 41 डिग्री के पार पहुंच गया है। मध्यप्रदेश में बुधवार को सबसे ज्यादा तापमान छतरपुर जिले के खजुराहो में 41.4 डिग्री दर्ज किया गया। बिहार में 52 साल बाद मार्च में तापमान 41 डिग्री के पार पहुंचा। राज्य के बक्सर में अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। छत्तीसगढ़ के रायगढ़, मुंगेली में पारा 41 डिग्री के पार पहुंचा। ओडिशा में अगले 3 दिन कुछ हिस्सों में हीटवेव का अलर्ट है। राज्य के 8 जिलों में गुरुवार को तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। झारसुगुड़ा में 41.4 डिग्री

तापमान दर्ज किया गया। दिल्ली में भी गुरुवार को तापमान 36.4 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार को दिन के समय तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

27 मार्च को जारी रिपोर्ट के मुताबिक देश के 8 राज्यों में पारा 40ए का आंकड़ा पार कर चुका है। इन 8 राज्यों में महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 24 जिले शामिल हैं। मार्च से ही इन राज्यों में हीटवेव जैसी स्थितियां बनने लगी हैं। अगले कुछ दिनों में उत्तर भारत में गर्मी और बढ़ सकती है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में तापमान 1-2 डिग्री तक बढ़ सकता है।

संसद में बजट सत्र का 13वां दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के 13 वें दिन दोनों सदनों में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान पर हंगामा जारी रहा। स्पीकर जगदीप धनखड़ ने राणा सांगा को राष्ट्रीय नायक बताया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ टिप्पणी बेहद अपमानजनक है। भाजपा ने बयान को लेकर माफी की मांग की। हालांकि, रामजीलाल सुमन बयान पर माफी मांगने से इनकार कर चुके हैं। हंगामे के चलते दोपहर 12 बजे तक राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी पार्टी उन सभी देशभक्तों का सम्मान करती है, जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी और बलिदान दिया। लेकिन किसी को भी कानून हाथ में लेने और किसी सांसद के घर में तोड़फोड़ करने का अधिकार नहीं है। दरअसल, सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा को गद्दार बताया था। इसके बाद कुछ लोगों ने उनके घर में तोड़फोड़ की थी। इससे

पहले लोकसभा में गुरुवार को इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल 2025 पास हो गया। बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल से बांग्लादेशियों और रोहिंग्या की घुसपैठ हो रही है। अगर कोई भारत को नुकसान पहुंचाने आएगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

नियम बनाकर अवैध घुसपैठियों को रोक रहे- हमारी सीमा पर कुछ संवेदनशील स्थान हैं, सेना के अड्डे हैं, उनको दुनियाभर के लिए खुले नहीं छोड़ सकते थे। पहले भी घुसपैठियों को रोका जाता था, लेकिन तब इसका नियम नहीं था। हममें हिम्मत है नियम बनाकर रोकने की। पूरी व्यवस्था को वैज्ञानिक तरीके से एक कानून में बांधने का काम किया गया है। भारत आए विदेशियों की जानकारी पुख्ता होगी- सुरक्षा की दृष्टि से ड्रग्स कार्टल, घुसपैठियों की कार्टल, हवाला व्यापारियों को समाप्त करने की व्यवस्था हम इस बिल में कर रहे हैं। पासपोर्ट एक्ट में पासपोर्ट-वीजा अनिवार्य होगा। विदेशियों के रजिस्ट्रेशन को और पुख्ता किया जाएगा। पहले ये कानून ब्रिटेन में बने थे अब नई संसद में- अप्रवासियों से जुड़े कानून 1920, 1930 और 1946, ब्रिटेन की संसद में बने थे। भारत का कानून अब भारत की नई संसद में बन रहा। राज्यसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 भी ध्वनि मत से पारित किया गया। राज्यसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 भी ध्वनि मत से पारित किया गया। विदेशी यात्रियों की सुविधा के लिए चौकियां बढ़ाईं- विदेशी यात्रियों की सुविधा के लिए हमने 73त्न अप्रवासन चौकियां बढ़ाई हैं। 2024 में आठ करोड़ 12 लाख आवाजाही हुई है। फास्टैग अप्रवासन यात्री कार्यक्रम हमने आठ एयरपोर्ट पर लागू किया है, जिसमें यात्रियों की जांच में 30 सेकंड समय लगेगा। फेंसिंग के लिए ममताजी नहीं दे रहीं जमीन- पश्चिम बंगाल से बांग्लादेशियों और रोहिंग्या की घुसपैठ हो रही है। 450 किमी आपकी कृपा से खुली सीमा है, वहीं से घुसपैठ है, वहीं नागरिक बनते हैं, आधार कार्ड बनते हैं और देशभर में फैल जाते हैं। जितने घुसपैठिए पकड़े गए हैं, सबके पास 24 परगना के आधार कार्ड मिले हैं। %जहां फेंसिंग लगाने जाते हैं, सत्ताधारी पार्टी का कैडर हुड़दंग करता है।

दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। ये स्न्ढ्ढक्र सरकारी पैसे के दुरुपयोग मामले में सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम के तहत दर्ज की गई है। केजरीवाल पर आरोप है कि उन्होंने प्रचार के लिए बड़े होर्डिंग लगवाने में जनता के पैसे का गलत इस्तेमाल किया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 अप्रेल की तारिख दी है। शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में केजरीवाल और दो अन्य नेताओं गुलाब सिंह और नितिका शर्मा पर एफआईआर की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान इसकी जानकारी दी। इससे पहले 11 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल पर सरकारी पैसों के दुरुपयोग मामले में स्न्ढ्ढक्र दर्ज करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने पुलिस से 18 मार्च तक मामले की स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी थी।

6 साल पहले कोर्ट में लगाई गई याचिका 2019 में दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की गई थी। इसमें आरोप था कि अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक गुलाब सिंह और द्वारका से पार्षद नितिका शर्मा ने पूरे इलाके में बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाकर जनता के पैसे का दुरुपयोग किया है। तब निचली अदालत ने याचिका खारिज कर स्न्ढ्ढक्र की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। जनवरी, 2024 में डायरेक्टरेट ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिसिटी ने भी ्रक्क से राजनीतिक विज्ञापनों के लिए जनता के पैसे का दुरुपयोग करने के लिए ब्याज सहित 163.62 करोड़ रुपए वापस करने को कहा था।

लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा–डिकॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में नाबाद 97 रन की पारी खेल कर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को जीत दिलाने वाले सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि उनके लिए मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा। डिकॉक ने 61 गेंदों पर आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाकर केकेआर को 17.3 ओवर में जीत के लिए मिले 152 रन के लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। प्लेयर ऑफ द मैच डिकॉक ने पुरस्कार समारोह में कहा, '' यह मेरा दूसरा मैच है, हमारे लिए यह अच्छा रहा कि हमने बाद में बल्लेबाजी की। एक विकेटकीपर के रूप में मुझे विकेट परखने का मौका मिला और मैं बल्लेबाजी करते समय उसके अनुसार सामंजस्य बैठा सका। ''उन्होंने कहा, '' मैं जानता हूं कि आईपीएल बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है, लेकिन मैंने सिर्फ हमारे लिए मैच जीतने की कोशिश की।'' दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''यह बड़े स्कोर के लिए उपयुक्त विकेट नहीं था, गेंद टर्न ले रही थी और रुक कर आ रही थी। यह सपाट विकेट नहीं था, यहां रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।'' केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने डिकॉक के साथ जीत का श्रेय टीम के स्पिनरों को दिया। उन्होंने कहा, '' हमने बीच के ओवरों में दो स्पिनरों को गेंदबाजी कराई। सुनील नारायण की जगह मोईन अली खेले और उन्होंने अच्छा किया।

रियान पराग के लिए फैन की दिवानगी, जेल जाने तक को तैयार लेकिन सिर्फ पैर छूना चाहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे केकेआर ने 8 विकेट से जीत लिया। वहीं रॉयल्स ने लगातार अपना दूसरा मैच गंवाया है। वहीं गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के दौरान एक फैन मैदान तक पहुंच गया और रियान पराग के पैर छूने लगा। दरअसल, अक्सर विराट कोहली, एमएस धोनी, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों के फैंस को मैदान में घुसते हुए देखा जाता है। फैंस अपने पसंदीदा क्रिकेटर्स के पैर छूते हैं या फिर उनके गले लगते हैं। बुधवार को रॉयल्स और केकेआर के बीच मुकाबले के दौरान भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। जहां एक फैन मैदान में घुस गया। ये फैन रियान पराग का था, 12वें ओवर के दौरान ये घटना हुई। सबसे पहले तो फैन ने रियान के पैर छुए और बाद में रियान ने फैन कोगले लगाया।

पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान की हुई फजीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशान किशन ने पाकिस्तान के वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान के विकेट के पीछे जरूरत से ज्यादा अपील करने की कराब आदत के बारे में बताया है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज का मानना है कि रिजवान की इस आदत से पाकिस्तान को नुकसान भी हुआ होगा। भारतीय अंपायर अनिल चौधरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने ईशान किशन की विकेट के पीछे अपील करने की आदत में हुए बदलाव की तारीफ की है। अनिल चौधरी ने शुक्रवार को अंपायरिंग से संन्यास ले लिया है। हाल ही में अनिल चौधरी ने ईसान किशन से समय के साथ विकेटकीपर के रूप में उन्होंने जो बदलाव किए हैं और स्टंप के पीछे जरूरत से ज्यादा अपील करने की उनकी पुरानी आदत के बारे में पूछा। इस पर ईशान किशन ने पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान की टांग खींची और कहा कि अगर वह पाकिस्तानी विकेटकीपर की तरह हर बार अपील करेंगे तो अंपायर शायद बल्लेबाज को एक बार भी आउट नहीं देगा। किशन ने कहा कि इन दिनों अंपायर काफी अच्छे हो गए हैं और वह दबाव में आकर आपकी बात नहीं मानेंगे।

चेन्नई के खिलाफ विराट कोहली के खेलने पर सस्पेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के मेंटर दिनेश कार्तिक ने विराट कोहली और भुवनेश्वर कुमार की फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया। विराट कोहली ने आरसीबी के लिए इस सीजन के पहले मैच में खेला था जबकि भुवनेश्वर कुमार उस मैच में नहीं खेल पाए थे। भुवी को इस सीजन के लिए आरसीबी ने 10.75 करोड़ में खरीदा था, लेकिन वो सीजन के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो पाए थे।

भुवी पहले मैच में चोट के कारण उपलब्ध नहीं हो पाए थे, लेकिन विराट कोहली की इंजरी के बारे में बहुत लोगों का जानकारी नहीं है, लेकिन रेवस्पोर्ट्ज के मुताबिक कोहली ने इस सीजन के पहले मैच के बाद हर्षित राणा से बात करते समय अपनी पीठ दर्द के बारे में बात कर रहे थे। सीएसके के खिलाफ मैच से पहले दिनेश कार्तिक से जब भुवी और कोहली की इंजरी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि आरसीबी की ड्रेसिंग रूम में चोट चिंता का विषय है। भुवनेश्वर के बारे में बात करते हुए, कार्तिक ने कहा कि वह नेट्स में गेंदबाजी कर रहे हैं, हालांकि उन्होंने भुवी की वापसी की तारीख का खुलासा नहींकिया। कार्तिक ने कोहली के बारे में भी अपडेट दिया और कहा कि स्टार बल्लेबाज कोहली पीठ की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास हैकि वो खेलना जारी रखेंगे। बता दें कि, आरसीबी ने सीजन की शुरुआत जीत के साथ की थी, लेकिन उन्हें अपने स्टार तेज गेंदबाज भुवी की कमी खली थी।

अभिषेक के बाद ईशान किशन को शार्दुल ठाकुर ने पहुंचाया पवेलियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने सनराइजर्स हैदराबाद के दो विस्फोटक बल्लेबाजों को लगातार 2 गेंदों पर आउट कर अपनी टीम को काफी हद तक राहत दिलाई। उन्होंने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा को आउट किया। जबकि तीसरे नंबर पर आए ईशान किशन को शार्दुल ने अगली ही गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट कराया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने पहला ओवर डाला, इस ओवर में उन्होंने सिर्फ 6 रन दिए। इस ओवर में ट्रेविस हेड को उन्होंने 5 गेंदें डाली, जिसमें सिर्फ एक बाउंड्री आई। पहला ओवर शानदार डालने के बाद उन्होंने तीसरे ओवर में लगातार 2 विकेट चटकाए। शार्दुल ने छोटी लेंत की गेंद डाली। अभिषेक ने स्क्वायर बॉउंड्री की तरफ पुल शॉट लगाया। अभिषेक गलित से मात खा गाए और गेंद को अधिक दूरी नहीं मिली। निकोलस पूरन ने कैच पकड़ने में कोई गलती नहीं की। शार्दुल ने गेंद डाउन द लेग डाली, हल्की सी स्विंग भी हुई। ईसान ने फ्लिक करना चाहा लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लगकर सीधा विकेट कीपर ऋषभ पंत के हाथों में गई। पंत ने अपील नहीं की थी लेकिन गेंदबाज की अपील को अंपायर ने स्वीकार और ईशान भी सीधा पवेलियन की तरफ चल पड़े।

जानें कौन हैं प्रिंस यादव? ट्रेविस हेड का लिया विकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। जहां लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज प्रिंस यादव ने हैदराबाद के स्टार खिलाड़ी ट्रेविस हेड को बोल्ड कर चारों तरफ वाहवाही लुट ली है। जो कि उनके आईपीएल करियर की बेहतरीन शुरुआत बताई जा रही है। प्रिंस ने इस सत्र में ही डेब्यू किया है। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने युवा गेंदबाज को दिल्ली टैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मौका दिया। पहले मैच में भले ही वह कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए लेकिन अपने आईपीएल करियर के दूसरे मैच में प्रिंस ने ट्रेविस हेड को बोल्ड कर अपना लोहा मनवाया है। उन्हें ये सफलता एसआरएच की पारी के आठवें ओवर की तीसरी गेंद पर मिला। 23 वर्षीय तेज गेंदबाज प्रिंस दिल्ली से ताल्लुक रखते हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम डीपीएल में लगातार तीन विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। वह ऐसा करने वाले इकलौते गेंदबाज हैं। पुरानी दिल्ली 6 के लिए खेलते हुए उन्होंने 10 मैचों में 13 विकेट अपने नाम किए हैं।

प्रिंस ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपने करियर का पहला टी20 मुकाबला खेला था। इसके अगले ही दिन लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 30 लाख रुपये के आधार मूल्य पर टीम में शामिल कर लिया। एसएमएटी 2024-25 के सत्र में प्रिंस ने 7.54 के इकोनॉमी रेट से 11 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद वह 50 ओवरों की विजय हजारे ट्रॉफी में भी दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 6 मैचों में 22.00 की औसत से 11 विकेट अपने नाम किए।

निकोलस पूरन ने मचाया तहलका, ट्रेविस हेड को पीछे छोड़कर आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे लखनऊ सुपर जायंट्स ने 5 रन से जीत लिया, ये जीत रूल की आईपीएल 18वें सीजन की पहली जीत है। वहीं इस मुकाबले में निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में ताबड़तोड़ 70 रनों की तूफानी खेली। 191 रनों की पीछा करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स का पहला विकेट एडन मार्करम के रूप में 4 रन के स्कोर पर गिरा। जिसके बाद तीसरे नंबर पर पूरन आए और मिशेल मार्श के साथ 116 रनों की दमदार साझेदारी की। पूरन ने 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करके आईपीएल में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस दौरान निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में 70 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और इतने ही चौके लगाए। उन्हें 9वें ओवर की चौथी गेंद पर पैट कमिंस ने आउट किया। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में इतिहास रचा। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 20 गेंदों से कम में अपना अर्धशतक पूरा करने वाले बल्लेबाज बने। ये आईपीएल में चौथी बार है जब निकोलस पूरन ने 20 गेंदों में कम में अपना अर्धशतक पूरा किया है। वह ट्रेविस हेड को पछाड़ कर सबसे ज्यादा बार 20 गेंदों से कम में फिफ्टी पूरा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके बाद लिस्ट में ट्रेविस हेड और जैक फ्रेजर-मैक्गर्क हैं, जिन्होंने 3-3 बार ऐसा किया है। साथ ही इस पारी के बाद निकोलस पूरन के पास ऑरेंज कैप पहुंच गई है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी 75 रन की बेजोड पारी खेली थी। अभी तक 2 मुकाबलों में 145 रन हैं।

हेनरिक लासेन के साथ खेला हो गया, एसआरएच के विकेटकीपर को रन आउट होता देख नहीं कर पाएंगे यकीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 7वां मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में हैदराबाद के धाकड़ बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के साथ खेला हो गया। दरअसल, वो 26 रन के निजी स्कोर पर रन आउट हो गए। उन्होंने अपनी 17 गेंद की पारी के दौरान 2 चौके और एक छक्का लगाया। हेनरिक क्लासेन जिस तरह से रन आउट हुए उसे देखकर हर कोई यही कहेगा कि मैच में इससे ज्यादा बुरा उनके साथ नहीं हो सकता। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए प्रिंस यादव 12वां ओवर लेकर आए। उनकी पहली गेंद पर क्लासेन ने एक रन लिया। दूसरी गेंद पर नितीश कुमार रेड्डी ने एक रन लेकर फिर से स्ट्राइक क्लासेन को दी। क्लासेन ने अगली गेंद पर चौका जड़ दिया। चौथी गेंद पर क्लासेन ने एक रन लिया। पांचवीं गेंद डॉट रही। प्रिंस यादव की आखिरी गेंद ऑफ द स्टंप के बाहर एक लो फुल-टॉस बॉल थी।

कोलाकाता के स्पिनर्स के सामने राजस्थान ने किया सरेंडर, डिकॉक ने खेली तूफानी पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के नए खिलाड़ी मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती के बीच गुवाहाटी की पिच पर शानदार जुगलबंदी देखने को मिली। इस शानदार जुगलबंदी के कारण कोलकाता ने बेहतरीन खेल दिखाया और राजस्थान का किला 151/9 के स्कोर पर ढ़हा दिया। मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने मिलकर मैच में 8-0-40-4 के संयुक्त आंकड़े हासिल किए। इस शानदार प्रदर्शन के कारण कोलकाता को आंद्र रसेल की जरुरत भी नहीं पड़ी। वहीं क्विंटन डिकॉक ने शीर्ष ऑर्डर में आने के बाद 61 गेंदों पर ताबड़तोड़ बल्लेबाजीर करते हुए नाबाद 97 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। इस जीत के साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स प्वाइंट टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई है। इस मैच के साथ ही इस सीजन में राजस्थान की ये लगातार दूसरी हार रही है। बता दें कि राजस्थान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इस मैच में शुरुआत में अच्छा खेल दिखाया था। 67 रन पर टीम महज एक विकेट गंवा चुकी थी। हालांकि 82 रन पर पहुंचे पर टीम के पांच विकेट पवेलियन लौट चुके थे। इन पांच विकेट लेने में सबसे अहम योगदान मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती का रहा।

बता दें कि सबसे पहले राजस्थान के संजू सैमसन 13 रन के स्कोर पर वैभव अरोड़ा का शिकार बने। उनके बाद वरुण चक्रवर्ती ने र?यान पराग (25) को निशाना बनाया। इसके बाद मोईन अली ने अपना शिकार यशस्वी जायसवाल (29) को बनाया। फिर नीतीश राणा (8) को भी बोल्ड करने वालो मोईन अली रहे। वहीं वानि?दु हसरंगा वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर कप्तान रहाणे को हाथ में कैच थमा कर आउट हो गए।

बता दें कि इस मैच में शुभम दुबे को भी सात नंबर पर खेलने भेजना पड़ा जो कि मूल रूप से राजस्थान की टीम के प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं थे। राजस्थान के लिए सर्वाधिक स्कोर बनाने वाले ध्रुव जुरेल रहे जिन्होंने 33 रन बनाए। टीम को संभालने के लिए उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी करने की सोची मगर टीम के विकेट लगातार गिरते रहे।

आईपीएल के बाद ब्रेक लेंगे कप्तान रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर्स मौजूदा समय में आईपीएल में जलवा बिखेर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए थे। आईपीएल का ये त्यौहार दो महीने से भी ज्यादा लंबे समय तक चलेगा। इसके बाद टीम इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस दौरे पर रोहित शर्मा नजर नहीं आएंगे।

भारत को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। इस दौरे पर वह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। स्पोर्ट्स टुडे की खबर के मुताबिक रोहित शर्मा इस दौरे पर नहीं जाएंगे। खबर के मुताबिक रोहित शर्मा ने नाम वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि, विराट कोहली टीम का हिस्सा होंगे और दौरे पर जाएंगे।

इस दौरे से पहले टीम ने पिछली टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेली थी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में कोहली और रोहित शर्मा दोनों ही कुछ खास नहीं कर सके थे। रोहित शर्मा ने सीरीज के तीन मैचों में केवल 31 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने आखिरी मैच से खुद को बाहर करने का फैसला किया था जिसके बाद जसप्रीत बुमराह ने टीम की कप्तानी की थी। रोहित के खुद बाहर हो जाने को संन्यास से जोड़कर देखा जा रहा था।

रोहित शर्मा ने साफ कर दिया था कि उनका खुद को बाहर करने का फैसला संन्यास का फैसला नहीं है। उन्होंने कहा था कि, ये संन्यास का फैसला नहीं है। मैं इस खेल से दूर नहीं जा रहा हूं। लेकिन मैंने इस खेल से दूर जाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि मैं बल्ले से रन नहीं बना पा रहा था।

इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मैं 2 महीने या 5 महीने बाद रन बना पाउंगा। रोहित शर्मा ने इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी के साथ वापसी की। फाइनल में 76 रन की पारी खेली और टीम को जीत दिलाई।

मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में विभिन्न जिलों के आवेदकों की सुनी समस्याएं

रीवा में प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को समय पर राहत राशि देने व देरी करने वाले पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान ऑनलाइन में विभिन्न जिलों के आवेदकों की समस्याएं सुनी। रीवा जिले के आवेदक की प्राकृतिक दुर्घटना में भैंस के मरने पर राहत राशि के प्रकरण की सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को समय पर राहत राशि दें। इसमें देरी करने वाले पर कड़ी कार्यवाही करें। कलेक्टर रीवा लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार को निलंबित करें। राहत राशि के प्रकरण एक माह में निराकृत करें। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि आवेदक को पशु हानि की राहत राशि का भुगतान कर दिया गया है। प्रकरण देर से प्रस्तुत करने वाले नायब नाजिर को निलंबित कर दिया गया है। मऊगंज जिले के आवेदक सुनील साहू ने बताया कि उनकी बस्ती में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से डेढ़ वर्ष से पानी नहीं आ रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल बहुत गंभीर समस्या है। पेयजल से जुड़ी हर कठिनाई को दूर करके आमजनता को पेयजल उपलब्ध कराएं। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने बताया कि पाइपलाइन में सुधार करा दिया गया है। प्रकरण में लापरवाही बरतने पर प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी मऊगंज महेश पटेल को निलंबित कर दिया गया है। इसी प्रकरण में लापरवाही बरतने पर उपयंत्री राजेश प्रताप सिंह को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त निर्माण करने वाली एजेंसी के विरूद्ध भी कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में सिंगरौली जिले में आवेदिका के छात्रवृत्ति प्रकरण की सुनवाई करते हुए समय पर छात्रवृत्ति भुगतान के निर्देश दिए। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि छात्रवृत्ति के पोर्टल में अनुसूचित जनजाति की छात्रा की जानकारी में सामान्य वर्ग दर्ज कर दिया गया था। इस गलती के सुधार के लिए प्राचार्य तथा संकुल प्राचार्य द्वारा आदिम जाति कल्याण विभाग को लगातार पत्र लिखे गए। पोर्टल बंद होने के कारण इसमें सुधार संभव नहीं हो सका। पोर्टल खुलने पर गलती में सुधार करके तीन वर्ष की छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में सिवनी, सीहोर, विदिशा, ग्वालियर, छतरपुर, खण्डवा, छिंदवाड़ा, दतिया तथा गुना जिले के आवेदकों के प्रकरणों की भी सुनवाई की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की पूरी कार्ययोजना बनाकर प्रदेश भर में जल संरक्षण और जल संवर्धन के कार्य कराएं। अभियान में आमजनता की भी पूरी भागीदारी सुनिश्चित करें। आगामी 30 मार्च को विक्रम नववर्ष गुड़ी पड़वा मनाया जाएगा। यह महज नववर्ष की शुरूआत नहीं है। यह काल गणना की प्रथम तिथि है। विक्रम संवत नक्षत्रीय गणना राशियों तथा वैदिक गणना को समाहित किए हुए है। इन सबकी चर्चा 30 मार्च के कार्यक्रम में होनी चाहिए। विक्रम नववर्ष सूर्य उपासना से भी जुड़ा हुआ है।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि ई आफिस की व्यवस्था 30 अप्रैल तक हरहाल में लागू कर दें। इसके बाद कोई भी फाइल भौतिक रूप से एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी के पास नहीं जाएगी। ई आफिस से प्रशासनिक कार्यों में समय की बचत होने के साथ दक्षता और गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक अपने जिले की कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास करें। अपने सूचना तंत्र को सुदृढ़ रखें। राजस्व अधिकारी रोस्टर के अनुसार अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण करें। आगामी गर्मियों में पेयजल की समुचित व्यवस्था हर बसाहट में करें। पूरे प्रदेश में इन गर्मियों में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कर दें कि अगले वर्ष कहीं भी पेयजल परिवहन की नौबत न आए। सभी अधिकारी वर्ष 2025-26 के लिए विभागीय योजनाओं के लक्ष्य 15 अप्रैल तक निर्धारित कर दें। समाधान ऑनलाइन तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष ध्यान दें। लंबित प्रकरणों में संवेदनशीलता और तत्परता से कार्यवाही करें। सभी कलेक्टर सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की हर सप्ताह समीक्षा करें। कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह, चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी संजय खाण्डे, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर मती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में एक युवक की चली गई जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज में दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में एक युवक की जान चली गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक मऊगंज थाना क्षेत्र के ग्राम दुवगवां निवासी हिमांशू पटेल बाइक से शुक्रवार सुबह तकरीबन साढ़े 9 बजे मऊगंज बाज़ार जा रहे थे, जैसे ही मऊगंज कस्बे में पहुंचे तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी सीधी टक्कर हो गई। अचानक हुए इस हादसे में हिमांशू गंभीर रूप से घायल हो गए,परिजन तत्काल उसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा लेकर आये। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे घायल का उपचार मऊगंज अस्पताल में कराया जा रहा है।

चाकघाट कस्बे में एक ट्रेलर अचानक ठेलों को टक्कर मारते हुए किराना दुकान में घुसा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज़िले के चाकघाट कस्बे में एक ट्रेलर अचानक ठेलों को टक्कर मारते हुए किराना दुकान में जा घुसा। हादसे में तीन लोगों को चोट आई है। जानकारी के मुताबिक एक ट्रेलर गुरुवार की देर रात करीब 8 बजे प्रयागराज से रीवा की ओर आ रहा था। जैसे ही वो चाकघाट के, मंत्री चौराहे पर पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे ठेलों और व्यापारियों को टक्कर मारते हुए किराना दुकान में जा घुसा। इस दौरान मोमोज़ बेच रहा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि किराना दुकान के व्यापारी और ग्राहक को भी चोटें आई हैं। इस दौरान ट्रेलर की ट्राली भी सड़क पर पलट गई और क्लिंकर पूरे सड़क पर फैल गया, जिससे आवागमन बाधित हो गया। वहीं मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्लिंकर सहित टेलर को सड़क से हटवाया और यातायात को शुरू कराया गया है। घटना की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

शहर भर के इबादतगाहों में पढ़ी गई अलविदा जुम्मे की नमाज़

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रहमत और बरकतों का महीना रमज़ान अब धीरे-धीरे जाने को है। आज शहर भर के इबादतगाहों में अलविदा जुम्मे की नमाज़ पढ़ी गई। अलविदा जुम्मे की नमाज़ में लोगों ने नम आंखों से दुआएं मांगी। इसके साथ ही ईद की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। शहर क़ाज़ी मुफ्ती मोहम्मद अज़हरी ने बताया कि ईद उल फितर की नमाज़ शहर के लगभग सभी इबादतगाहों में पढ़ी गई। ईदगाह घोघर, बिछिया, बड़ी दरगाह और छोटी दरगाह सहित सभी प्रमुख मस्जिदों में ईद की नमाज़ के लिए समय निश्चित कर दिया गया है। इधर ईद के त्यौहार को देखते हुए प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा व्यवस्था सहित साफ सफाई के संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शहर क़ाज़ी ने बताया कि 30 मार्च को यदि चांद दिखाई देता है तो 31 मार्च को ईद की नमाज़ पढ़ी जाएगी। और यदि चांद 31 मार्च को नज़र आता है तो फिर 1 अप्रैल को ईद मनाई जाएगी। हालांकि दोनों ही परिस्थितियों के लिए पूर्व से ही तैयारी की गई है।

डिप्टी सीएम शुक्ल ने अजय सिंह पर किया पलटवार

'पुलिया तक बना नहीं पाए, हमारी टनल से जाते हैं'

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल के बयान पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि "सीधी जाने के लिए अजय सिंह हमारी बनाई सुरंग से होकर ही जाते हैं।" डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने अजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार विकास की न तो सोच रखती है और न ही उस पर ध्यान देती है। उन्होंने कहा कि "चुरहट में एक छोटी सी पुल तक कांग्रेस नहीं बना पाई, जिसे भाजपा सरकार ने पूरा किया।"

बतादें कि गुरुवार को अजय सिंह ने कहा था कि राजेंद्र शुक्ल को राजनीति में मैं लेकर आया था। मैंने उन्हें कांग्रेस में कोषाध्यक्ष का पद दिलाया था। लेकिन दुर्भाग्य है कि मैं उन्हें राजनीति में लेकर आया। आज वो उपमुख्यमंत्री हैं और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बेपटरी है।

इस पर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने नाराजगी जताते हुए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और जवाबी हमला किया।राजेंद्र शुक्ल ने अजय सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि "जिस पार्टी के नेताओं की मानसिकता सिर्फ बयानबाजी करने की हो, वह कभी विकास नहीं कर सकती।" उन्होंने आगे कहा कि "कांग्रेस की इसी राजनीति के कारण वह रसातल में जा रही है।"

हर विद्यार्थी का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में एक अप्रैल से नवीन शिक्षा सत्र आरंभ हो रहा है। इसके लिए सभी स्कूलों में तैयारियाँ की जा रही हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने रीवा और मऊगंज जिले के सभी संकुल प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को एक अप्रैल को स्कूल में प्रवेशोत्सव के निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि एक अप्रैल को धूमधाम के साथ विद्यार्थियों का शाला में प्रवेश कराएं। यदि कोई विद्यार्थी शाला से टीसी लेकर जा रहा है तो उसकी सूची बनाकर प्रस्तुत करें। साथ ही इस बात की भी पूरी जानकारी रखें कि उसने किस स्कूल में प्रवेश लिया है। शाला से किसी भी कारण से बाहर जाने वाले बच्चे का अन्य शाला में प्रवेश अनिवार्य रूप से कराएं। शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू होने से पूर्व नए शिक्षण सत्र के लिए विद्यार्थियों को अस्थाई प्रवेश तत्काल दें। इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि कोई भी विद्यार्थी शाला त्यागी अथवा अप्रवेशी न रहे।

स्त्री रोग विशेषज्ञों का महासम्मेलन महिला स्वास्थ्य के प्रति एक सार्थक पहल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा में आयोजित किया जा रहा स्त्री रोग विशेषज्ञों का महासम्मेलन महिला स्वास्थ्य के प्रति एक सार्थक पहल है। सम्मेलन में महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित जटिल समस्याओं पर मंथन होगा और इससे निकलने वाले परिणाम मातृ मृत्यु दर व नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करने में सहायक होंगे।

एशोसियेशन आब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनोकोलाजी सोसायटी के तत्वाधान में देश, प्रदेश के स्त्री रोग विशेषज्ञों के महासम्मेलन में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की गर्भवस्था संबंधी जटिलताओं, प्रसव की नई तकनीकों, मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के प्रभावी उपायों पर सम्मेलन में विचार विमर्श होगा और उसको सार्थक परिणाम सामने आयेंगे। उन्होंने कहा कि रीवा में चार दिनों तक आयोजित हो रहे इस आयोजन से यह परिलक्षित होता है कि स्त्री रोग विशेषज्ञ भी मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिये चिंतित हैं। गांव-गांव तक मिशन मोड में काम करते हुए महिलाओ के स्वास्थ्य के प्रति सार्थक पहल करनी होग। जनप्रतिनिधियों एवं समाज को भी आगे आना होगा तभी प्रदेश में मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन कराकर उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच आवश्यक है। स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रत्येक माह की 9 एवं 25 तारीख को स्त्री विशेषज्ञ अनिवार्यतः उपस्थित रहकर गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच करें साथ ही मैदानी स्वास्थ्य आमला पूरी निष्ठा व समर्पण भाव से इसमें सहयोग करते हुए गर्भवती महिलाओं के परिजनों को भी जागरूक करें। सभी के समन्वित प्रयासों से ही प्रदेश में मातृ मृत्यु पर व शिशु मृत्यु दर कम हो पायेगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की भर्ती जारी है। आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्रों में भी डाक्टर्स कालोनी बनाई जायेगी ताकि ग्रामीण क्षेत्र में सेवा दे रहे चिकित्सकों को असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने संबल योजना की अनुग्रह राशि हितग्राहियों के खाते में की आंतरित

रीवा जिले के 485 तथा मऊगंज जिले के 194 हितग्राहियों को मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से श्रम विभाग के तहत संचालित मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह राशि उनके खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 23162 मजदूर परिवारों को 505 करोड़ रूपये की अनुग्रह राशि बैंक खातों में अंतरित की। इस कार्यक्रम में रीवा जिले के 485 हितग्राहियों को एवं मऊगंज जिले के 194 हितग्राहियों को संबल राशि का हितलाभ प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने मंदसौर, खरगौन, शहडोल, दतिया और सीहोर जिले के अनुग्रह राशि सहायता से लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें। संबल योजना विषम परिस्थिति में परिवार के लिए सहारा बनती है। संवेदनशील सरकार जरूरतमंदों के साथ खड़ी है। उन्होंने श्रमवीरों का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने परिवार को आगे ले जाने का संकल्प पूरा करें।

कार्यक्रम में श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल दिल्ली से ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से संबल योजना का बैकलाग समाप्त हो गया है। कलेक्टर कार्यालय रीवा स्थित एनआईसी में श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी तथा संबल हितग्राही उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि संबल योजना में पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अंत्येष्टि सहायता के रूप में पांच हजार रूपये दिये जाते हैं। मजदूर की सामान्य मृत्यु पर उनके परिजनों को दो लाख रूपये तथा दुर्घटना से मृत्यु पर चार लाख रूपये आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण मऊगंज जिले सहित नगरीय निकायों, ग्रामीण क्षेत्रों व जनपद पंचायतों में भी देखा सुना गया।

गेंहू उपार्जन के लिए 142 नोडल अधिकारी तैनात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेंहू का उपार्जन शुरू हो गया है। कलेक्टर मती प्रतिभा पाल ने गेंहू उपार्जन की निगरानी के लिए प्रत्येक खरीदी केन्द्र में दो नोडल अधिकारी तैनात किए हैं।

संबंधित क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा पटवारी की तैनाती नोडल अधिकारी के रूप में की गई है। कलेक्टर ने कहा है कि सभी नोडल अधिकारी तैनाती के खरीदी केन्द्र में उपार्जन संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों के लिए छाया, पानी, ठहरने, अनाज को साफ करने तथा तौल करने के लिए की गई व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों से यदि कोई व्यक्ति उपार्जन केन्द्र में गेंहू भरने, तौल करने, सिलाई करने तथा स्टेगिंग करने के लिए अतिरिक्त राशि की मांग करता है तो उसके विरूद्ध तत्काल कार्यवाही प्रस्तावित करें। खरीदी केन्द्रों में शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप अच्छी गुणवत्ता के गेंहू का ही उपार्जन कराएं। उपार्जित गेंहू के व्यवस्थित तरीके से तथा सुरक्षित भण्डारण की व्यवस्था करें। खरीदी केन्द्र में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर संबंधित क्षेत्र के एसडीएम, उप संचालक कृषि, जिला महाप्रबंधक सहकारी बैंक, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा जिला आपूर्ति अधिकारी को सूचना दें। केवल पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन किया जाएगा।

कलेक्टर मऊगंज ने दैनिक वेतन भोगियों की नई दरें की निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने श्रमायुक्त म.प्र. शासन इंदौर के आदेश के परिपालन में मऊगंज जिले के दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों एवं कर्मचारियों के लिये एक अक्टूबर 2024 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि के लिए दैनिक वेतन की नई दरें निर्धारित की हैं। इन दरों में परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता भी सम्मिलित है। यह दरें मासिक, दैनिक तथा अंशकालिक एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों और श्रमिकों पर लागू होंगी।

निर्धारित नई वेतन दरें - अकुशल कर्मचारियों के लिये न्यूनतम मूल वेतन 9575 रूपये तथा परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता 2275 रूपये के साथ प्रतिमाह कुल 11850 रूपये निर्धारित किया गया है। अर्द्धकुशल के लिये न्यूनतम मूल वेतन प्रतिमाह 10557 रूपये तथा परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता 2275 रूपये के साथ कुल वेतन 12846 रूपये निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार कुशल के लिये न्यूनतम मूल वेतन 12294 रूपये तथा परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता 2275 रुपए के साथ प्रतिमाह कुल 14569 रूपये वेतन देय होगा। उच्च कुशल के लिये प्रतिमाह 13919 रूपये न्यूनतम मूल वेतन तथा 2275 रूपये परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता सहित कुल 16194 रूपये कुल वेतन देय होगा। मजदूरी निर्धारण में पैसे तथा रूपये के गुणांकों को राउंड अप करके ही दैनिक एवं मासिक मजदूरी निर्धारित की जायेगी। कृषि नियोजन के लिए अकुशल मजदूर की मजदूरी 7660 रुपए तथा 2010 रुपए मंहगाई भत्ते के साथ कुल 9670 रुपए प्रतिमाह निर्धारित की गई है। इसकी दैनिक मजदूरी मूल वेतन 255.33 रुपए तथा मंहगाई भत्ता 67 रुपए सहित 322 रुपए प्रतिदिन देय होगी। महिला एवं पुरूषों के लिए वेतन की दरें समान रहेंगी।

आर.ई.सी. ने अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को सौंपा ट्रांसमिशन एस.पी.व्ही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 1230 मेगावॉट विद्युत पारेषण के लिये रीवा क्षेत्र में 400 के.व्ही. के दो सबस्टेशन बनेंगे। मध्यप्रदेश को आगामी दो से तीन वर्षों में दो चरणों में 1230 मेगावॉट विद्युत की अतिरिक्त उपलब्धता रहेगी। इस हेतु बिजली कंपनी के मुख्यालय जबलपुर में आर.ई.सी. ने अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को ट्रांसमिशन एस.पी.व्ही. सौंपा। परियोजना के तहत मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड के बंधौरा (सिंगरौली) पावर जनरेटिंग प्लांट से मध्यप्रदेश के हिस्से की 1230 मेगावॉट विद्युत निकासी के लिये ट्रांसमिशन नेटवर्क तैयार किया जाना है। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता देवाशीष चक्रवर्ती ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी ने 1230 मेगावॉट विद्युत प्रदाय हेतु महान एनर्जेन लिमिटेड से पॉवर परचेस अनुबंध किया था। मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड द्वारा पावर जनरेटिंग प्लांट की स्थापना प्रस्तावित है। उक्त पावर प्लांट से मध्यप्रदेश के हिस्से की 1230 मेगावॉट विद्युत निकासी हेतु नियामक आयोग के विनियमानुसार टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा बोली प्रक्रिया के अंतर्गत पारेषण अद्योसंरचना के विस्तार हेतु मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी/एस.टी.यू. से अनुरोध किया गया था। जिसके तहत शासन ने निविदा प्रक्रिया समन्वयक (बी.पी.सी.) के लिये आर.ई.सी.पी.डी.सी.एल. (आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसलटेंसी लिमिटेड) को नियुक्त किया। टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा बोली (टी.बी.सी.बी) में मेसर्स अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 2000 करोड़ रूपये की इस परियोजना को अन्य बिडर्स के मध्य न्यूनतम दर के आधार पर हासिल करने में सफलता प्राप्त की। वैधानिक औपचारिकताओं को पूर्ण करने के बाद मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी एवं मेसर्स अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के मध्य पारेषण सेवा अनुबंध (ट्रांसमिशन सर्विस एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित हुये, जिसके तहत टी.बी.सी.बी. में 400 के.व्ही., 220 के.व्ही. एवं 132 के.व्ही. की विभिन्न ट्रांसमिशन लाइनों सहित दो 400 के.व्ही. के सबस्टेशन रीवा के सगरा एवं अमरपाटन में स्थापित किये जायेंगे।

पुस्तक मेले में तय दर पर मिलेंगी किताबें और गणवेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से आरंभ हो रहा है। जिले में संचालित सभी स्कूलों के विद्यार्थियों को निर्धारित दर पर किताबें और गणवेश उपलब्ध कराने के लिए पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने बताया कि पुस्तक मेला शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तण्ड क्रमांक तीन झिरिया में दो एवं तीन अप्रैल को आयोजित होगा। इसमें जिले के सभी पुस्तक, स्टेशनरी और गणवेश विक्रेता शामिल होंगे। सभी दुकानदारों को पंजीयन कराने के बाद दुकान लगाने की सुविधा दी जाएगी। पंजीकृत दुकानों से निर्धारित दर पर विद्यार्थियों को किताबें तथा अन्य स्टेशनरी प्राप्त होगी। इन दुकानों से निर्धारित दरों पर ही गणवेश भी प्राप्त होंगे। पुस्तक मेले में सभी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की किताबें और गणवेश उपलब्ध रहेंगी। अभिभावक पुस्तक मेले के माध्यम से रियायती दर पर गणवेश और किताबें खरीद सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।